भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU CHENNAI 20 JULY 2025

AAI to take over multi-level car parking facility at city airport

For almost a year now, passengers have been unhappy as they are forced to carry luggage to the second floor of Aero Hub to take a taxi; recently, the AAI board decided to take control of facility

PORT CALL

The Hindu Bureau
CHENNAI

In a significant development, the Airports Authority of India (AAI) is all set to assume control of the multi-level car parking facility at Chennai airport which could bring in much-awaited relief for passengers. AAI also plans to start the second pick-up point for boarding cabs in a month's time.

A few months ago, the contractor handling the Aero Hub, which houses of food, retail outlets, parking area and cab pick-up, submitted his termination notice to AAI, unwilling to continue operations. Following this, discussions were held at New Delhi regarding management of the facility.

Recently, the AAI board made a decision that it will take control of the multi-level car parking facility for now. As far as the retail and food outlets are concerned, those willing to continue with AAI can do so and there may not be any issue, sources said.

For almost a year now, many passengers have been unhappy over lugging their baggage to the second floor of the Aero Hub to take a taxi. Though AAI runs buggy services, passengers wanted AAI to reinstate the old cab pick-up point opposite to the T1 Domestic Terminal.

Concerns not addressed: Though AAI runs buggy services, passengers want the body to reinstate the old cab pick-up point.

To address the issue, AAI decided to have two cab pick-up points – one in the Aero Hub and the second at the same spot as the old arrangement of boarding from the National Flag point, opposite to T1 Terminal. This would be accessible when the plaza construction comes to an end.

The plaza, a space for passengers to relax and unwind, has been shaping up opposite to the T1 domestic terminal. Air passengers have been keenly anticipating the plaza facility as they can take cabs from this location. Meanwhile, AAI has floated fresh bids to manage the parking and cab-pick up.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 20 JULY 2025

AFTER AI 171 CRASH, ACTIVIST DEMANDS CRACKDOWN ON VENDORS IN AIRPORT FUNNEL ZONE

Legal notice flags bird strike risk near SVPI

Niyati.Parikh@timesofindia.com

Ahmedabad: A legal notice was recently issued by a former state govt official, Pankaj Buch, accusing various authorities of endangering air safety by allowing illegal meat markets and slaughter points to operate near Sardar Vallabhbhai Patel International (SVPI) airport in Ahmedabad. Buch, who is also an animal welfare activist, served the notice to the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), Gujarat police, animal husbandry department, and the food safety department of the Ahmedabad Municipal Corporation (AMC), demanding urgent action.

The notice was served in light of the fatal crash of Air India's AI171 on June 12 and demands the urgent closure and removal of meat, poultry, and fish shops operating within 10km of the city airport, particularly in the funnel zone where aircraft take off and land. "Despite clear aviation risks, local agencies have allowed these establishments to function without required DGCA clearances, directly violating Rule 91 of Aircraft Rules, 1937," the notice states. Rule 91 explicitly bans animal slaughter, garbage dumping, and any bird-attracting activity near aerodromes.

Even though the official probe is still underway into the AI 171 crash, the incident has renewed long-standing safety concerns linked to the SVPI airport vicinity. The city airport reported 43 incidents of bird strikes in 2024. From Jan to June this year, 23 such incidents were reported, as is learnt from sources. This is a substantial decline from 59 incidents reported in 2023.

A list of 25 shops has been annexed to the legal notice, highlighting outlets as close as 3.4km from the airport. The issue of relocation of Asarwa Fish Market has, however, been extensively discussed over the past seven years in the environment committee meetings of the SVPI airport. Stakeholders of AAI, AMC, the state govt, among others, attend this meeting held every quarter. "The issue of pigeon racing and pigeon fights in the neighbouring Sardarnagar and Kubernagar areas, which is along the perimeter wall of the city airport, has also been raised repeatedly. Both issues have been represented before the civic authorities urging prompt action," the source further added.

According to the complaint, hundreds of meat and fish shops continue to operate near SVPIA's boundary, drawing scavenger birds into the critical aircraft approach path. Drawing parallels to a 2015 Bombay HC ruling, which ordered strict action against slaughterhouses near Mumbai Airport, the notice argues that Ahmedabad faces a comparable risk and that civic authorities and law enforcement agencies are legally obliged to act. The notice warns that failure to intervene could amount to 'wilful negligence' and contempt of legal precedent.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 21 JULY 2025

हिंडन एयरपोर्ट से लंदन भी जाएंगे लोग : नायडू

शुभारंभ ▶ नौ शहरों के लिए इंडिगो उड़ान सेवा का केंद्रीय मंत्री ने केक काटकर किया उद्घाटन

अहमदाबाद, गोवा, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए शुरू की उड़ान सेवा

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

हिंडन एयरपोर्ट से देश के विभिन्न शहरों के लिए लगातार उड़ान सेवा शुरू हो रही हैं, लेकिन एक दिन लोग यहां से लंदन के लिए भी उड़ान भरेंगे। यह सपना हम सब मिलकर जरूर पूरा करेंगे। अभी तक केवल बैकअप एयरपोर्ट की तरह हिंडन को देखते थे। अब बैकबोन एयरपोर्ट की तरह उभर रहा है। हिंडन एयरपोर्ट के इतिहास में ये एक महत्वपूर्ण दिन है, जब नौ शहरों के लिए 10 नई उड़ान शुरू की गई हैं। ये बातें हिंडन एयरपोर्ट सिविल टर्मिनल में रविवार को केंद्रीय मंत्री (नागर विमानन) किंजरापु राम मोहन नायडू ने विमानन कंपनी इंडिगो की नौ शहरों अहमदाबाद, गोवा, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए उड़ान सेवा का उद्घाटन करने के दौरान कहीं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हिंडन से अहमदाबाद व इंदौर के लिए पहली बार उड़ान भर सकेंगे। ये उड़ान हिंडन की ही नहीं, ये उड़ान है गाजियाबाद की, ये उड़ान है पश्चिमी उत्तर प्रदेश की, ये उड़ान है पूरे भारत की और ये उड़ान आम आदमी के सपने की भी है। चार माह पहले यहां से एयर इंडिया एक्सप्रेस की शुरुआत की थी। उस दौरान सांसद अतुल गर्ग ने और उड़ान सेवा शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। उस दौरान हमने निर्णय लिया कि हिंडन को हर शहर से जोड़ने के प्रयास हमें करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि एयरक्राफ्ट दो गुने हो गए, एयरपोर्ट दोगुने हो गए। और एयरलाइन की क्षमता, टर्मिनल और यात्री भी दो गुना हो गए। उड़ान योजना वर्ष 2026 में खत्म हो जाएगी। इसकी मांग को देखते हुए अगले 10 वर्ष के लिए इस स्कीम को और बढ़ाने पर कार्य किया जा रहा है। इंडिगो के विशेष निदेशक आरके सिंह कहा कि अभी 75 और फ्लाइट विभिन्न शहरों के लिए कनेक्ट करेंगे। इसकी शुरुआत हिंडन से हुई है।

विमान हादसा जांच में डोमेन विशेषज्ञ नियुक्त हुए पायलट संधू

मुंबई, प्रेट्र : विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) ने अनुभवी पायलट और एअर इंडिया के पूर्व परिचालन निदेशक कैप्टन आरएस संधू को अहमदाबाद विमान हादसे की चल रही जांच में डोमेन विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया है। 56-वर्षीय संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम एअर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच कर रही है।

हमें एएआइबी पर है विश्वास, पश्चिमी मीडिया न लगाए कयास : राम मोहन

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर पश्चिमी मीडिया किसी तरह का कयास न लगाए। सरकार हादसे पर भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। जल्दबाजी में कुछ भी बोलना ठीक नहीं है।

गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पश्चिमी मीडिया जिस तरह से लेख प्रकाशित करने का प्रयास कर रहा है, उसमें उनका स्वार्थ निहित हो सकता है। वह एएआइबी की रिपोर्ट पर ही भरोसा करेंगे। एएआइबी ने ही ब्लैक बाक्स का डाटा सफलतापूर्वक डिकोड किया है, जो भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। पहले ब्लैक बाक्स का डाटा निकालने के लिए विदेश भेजा जाता था। यह पहली बार हुआ है, जब देश में ही डाटा डिकोड किया गया है। रिपोर्ट का अध्ययन कर रहे हैं और

गाजियाबाद में उद्घाटन समारोह में बोलते केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू। जागरण

सुरक्षा के दृष्टि से जो भी जरूरी होगा, वह करने के लिए तैयार हैं।

विदेशी मीडिया पर इसलिए खड़े हो रहे सवाल : विमान हादसे की एएआइबी ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया था कि विमान ने भारतीय समयानुसार एक बजकर, 38 मिनट, 42 सेकंड पर अधिकतम दर्ज की गई गति 180 नाट्स, आइएएस हासिल की थी। एक सेकंड बाद ही इंजन एक और इंजन दो के ईंधन के स्विच कटआफ हो गए। काकपिट वायस रिकार्डिंग के अनुसार कहा गया कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन स्विच आफ क्यों किया। तो वह जवाब देता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 21 JULY 2025

फैसला: नोएडा एयरपोर्ट के आसपास छह मंजिल तक ही इमारत बना सकेंगे

04 किलोमीटर के दायरे में निर्माण की ऊंचाई तय की

20 किलोमीटर में निर्माण के लिए एनओसी लेना होगा

- एयरपोर्ट से दूरी के अनुसार इमारत की अधिकतम ऊंचाई तय
- नोएडा एयरपोर्ट पर एक रनवे बनकर तैयार, दूसरा बनना है

आशीष धामा

टर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 20 किलोमीटर के दायरे में ऊंचाई के अनुसार निर्माण कार्य सीमित कर दिए गए हैं। चार किलोमीटर के दायरे में अब छह मंजिल तक ही निर्माण हो सकेगा। इसी तरह आगे की दूरी के अनुसार ऊंचाई तय की गई है।

एयरपोर्ट की समुद्र तल से औसत ऊंचाई 200 मीटर है। नियमों के तहत प्रथम चरण में 1334 हेक्टेयर में दो रनवे प्रस्तावित हैं। एयरपोर्ट पर 3900 मीटर लंबा पहला रनवे तैयार है, 4150 मीटर लंबा रनवे बनना बाकी है। एयरपोर्ट के 20 किलोमीटर के दायरे में निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के ओसडी शैलेंद्र भाटिया के अनुसार एएआई ने इस संबंध में कलर कोडेड जोनिंग मैप जारी किया हुआ है। ऊंचाई संबंधी अनापत्ति बाद के अनुसार ही एयरपोर्ट के आसपास क्षेत्र में निर्माण हो सकेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 21 JULY 2025

नौ एकड़ जमीन अधिग्रहीत कर हिंडन एयरपोर्ट का विस्तार होगा

हिंडन एयरपोर्ट

ट्रांस हिंडन, वरिष्ठ संवाददाता। हिंडन हवाई अड्डे को अभी तक बैकअप के रूप में देखा जाता था, लेकिन हिंडन अब बैकबोन बन गया है। कुछ और सुविधाओं की जरूरत है, जिनका सर्वे कर लिया है। नौ एकड़ जमीन पर इसका विस्तार किया जाएगा।

इंडिगो की विमान सेवा की शुरुआत करने पहुंचे केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने रविवार को यह बात कही।

हिंडन एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की शुभारंभ कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, सांसद अतुल गर्ग और अन्य। • हिन्दुस्तान

उद्घाटन के दौरान सिविल टर्मिनल के अंदर काफी भीड़भाड़ थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी यहां थोड़ा रेलवे स्टेशन का माहौल लग रहा है। जल्द ही इसकी क्षमता बढ़ाएंगे। प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के विस्तार के लिए नौ एकड़ जमीन चाहिए। राज्य सरकार से हमने जमीन मांगी है।

हिंडन से लंदन की उड़ान मिलेगी : नायडू

केंद्रीय मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने कहा कि हवाई अड्डे की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि आने वाले दिनों में लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, कानपुर और कुशीनगर समेत कई शहर जुड़ने जा रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब हिंडन से लंदन की उड़ान शुरू हो सकेगी। छह साल पहले 80 करोड़ की लागत से शुरू हुए हिंडन हवाई अड्डे पर तब सालाना आठ हजार यात्री आते थे और अब संख्या 80 हजार से अधिक हो गई है। तब 100 लोग काम करते थे और अब 12 हजार को रोजगार मिल रहा है।

'विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट आने दें'

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर कहा कि इसकी अंतिम रिपोर्ट आने से पहले कुछ भी कहना ठीक नहीं है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अच्छा काम किया है। अंतिम रिपोर्ट आने दें।

15 दिन में दूर हुई बाधा

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि यह गाजियाबाद का दुर्भाग्य है कि गुरुग्राम जैसा छोटा शहर गाजियाबाद से पहले इतना विकसित हो गया। हिंडन से उड़ान शुरू करने को लेकर कोर्ट का स्टे था। मैं पूरी तैयारी कर केंद्रीय मंत्री से मिला और महज 15 दिन में यहां से उड़ानों की शुरुआत हो गई। वाणिज्यिक सेवाएं भी शुरू कराने पर जोर है।

मोबाइल टावर एयरपोर्ट के पास नहीं लग सकेंगे

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट की उड़ान सेवा की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए कड़े नियम बनाए गए हैं। आसपास मोबाइल टावर भी नहीं लग सकेंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सितंबर के बाद उड़ानें प्रस्तावित हैं। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो की टीम एयरपोर्ट का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार कर चुकी है। प्रथम चरण के तहत 1334 हेक्टेयर में विकसित हो रहे एयरपोर्ट के संचालन के लिए सख्त नियम बनाए हैं, ताकि उड़ान सुरक्षा में बाधा उत्पन्न न हो सके।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 21 JULY 2025

हवाई अड्डे पर काउंटर हाईजैक अभियान चलाया

कोलकाता। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने शुक्रवार और शनिवार की रात कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाई अड्डे पर आतंकवाद और अपहरण विरोधी अभ्यास किया। यह अभ्यास सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आपात स्थिति से निपटने की तैयारी जांचने का हिस्सा था। इसमें हवाई अड्डा प्राधिकरण, सीआईएसएफ, पुलिस और अन्य एजेंसियों ने भाग लिया। शुक्रवार रात 9:34 बजे एक नकली विमान अपहरण का अभ्यास शुरू हुआ। इसमें एक ए320 विमान में 75 नकली यात्रियों और चालक दल को शामिल किया गया। आपातकालीन कॉल मिलने पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने तुरंत कार्रवाई की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 21 JULY 2025

Technical snag: AIX flight for Delhi cancelled, chaos at Ranchi airport

'Passengers seen arguing with the airline's staff about rescheduling'

RANCHI: A Delhi-bound Air India flight was cancelled on Sunday due to a technical snag, causing a chaotic situation at the airport here, officials said.

Passengers were seen arguing with the airline's staff about rescheduling.

"The AIX (Air India Express) 1200 from Ranchi to Delhi has been cancelled due to a technical issue. While checking the aircraft before takeoff, the technical snag was detected," Airport director RR Maurya said.

The flight was scheduled to take off at 6 pm.

Maurya said some passengers were accommodated on other flights, while several others had their tickets cancelled. A few passengers were rescheduled for Monday, he said.

A 39-year-old passenger, Faiz Anwar, said: "We boarded the flight around 5.20 pm and waited till 7 pm when all of a sudden we were asked to deboard without providing any reason. I have to attend an important meeting in Delhi tomorrow, but they are not ready to reschedule my flight."

Air India staff and others amid chaos after an Air India Express (AIX) 1200 flight from Ranchi to Delhi was cancelled due to a technical snag, at the Birsa Munda Airport, in Ranchi PTI

He claimed there were many passengers, who had to catch connecting international flights from Delhi for the UK, the US and South Africa, but no one was there to pay heed to their requests.

"There is complete mismanagement and chaos," he alleged.

Meanwhile, around 30 metres of the boundary wall on the southern side of the Birsa Munda Airport here collapsed on Sunday amid rain for over a month, according to an airport release.

The situation was promptly assessed, and immediate measures have been taken to ensure complete safety and security of the airport premises, it added.

Additional CISF personnel have been deployed to strengthen perimeter security, and the affected section of the wall has been barricaded as a precautionary step, the release said.

"We have already initiated necessary actions to restore the boundary. Importantly, there has been no impact on airport operations, and all services continue to function smoothly. The safety and security of our passengers and facilities remain our highest priority," it added. AGENCIES

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 21 JULY 2025

हिंडन से 9 शहरों के लिए उड़ान शुरू

हिंडन एयरपोर्ट से रविवार को इंडिगो ने 9 शहरों के लिए उड़ान शुरू की। इनमें मुंबई, गोवा, पटना, चेन्नै, बेंगलुरु, कोलकाता, वाराणसी, अहमदाबाद और इंदौर शामिल है। केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने सेवा की शुरुआत की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 21 JULY 2025

डिफेंस एयरपोर्ट पर अब प्लेन के पर्दे नहीं गिरेंगे

■ NBT रिपोर्ट: अब कॉमर्शल फ्लाइट्स, चार्टर प्लेन और प्राइवेट जेट्स को डिफेंस एयरपोर्ट्स पर टेकऑफ और लैंडिंग के वक्त खिड़की के पर्दे गिराने की जरूरत नहीं होगी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X पर यह जानकारी दी। हालांकि ग्राउंड फोटोग्राफी पर रोक जारी रहेगी। TOI के मुताबिक, DGCA ने बताया कि भारतीय वायुसेना की सलाह पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह आदेश जारी किया गया था। 20 मई को DGCA ने सभी कमर्शल फ्लाइट्स को निर्देश दिया था कि टेकऑफ और लैंडिंग के वक्त विमान की खिड़कियों के पर्दे बंद रखे जाएं, ताकि लोगों या क्रू की ओर से कोई संवेदनशील तस्वीर या जानकारी गलती से शेयर न हो जाए।

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त DGCA ने दिया था निर्देश

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 21 JULY 2025

हिंडन से शुरू हुई नई हवाई सेवाएं

गाजियाबाद, (पंजाब केसरी) : गाजियाबाद और आस-पास के लाखों निवासियों के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब हिंडन सिविल टर्मिनल से पहली बार व्यावसायिक उड़ानों की विधिवत शुरुआत हुई। इस बहुप्रतीक्षित सेवा का शुभारंभ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने किया। हिंडन टर्मिनल से देश के नौ प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू की गई है। इन शहरों में बेंगलुरु, कोलकाता, वाराणसी, इंदौर, चेन्नई, अहमदाबाद, पटना, गोवा और मुंबई शामिल हैं। इस नई सीधी हवाई सेवा से यात्रियों को इन शहरों तक पहुंचने में आसानी होगी और यात्रा का समय भी कम होगा। साथ ही इससे व्यापार, पर्यटन और आपसी संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा। हिंडन टर्मिनल से उड़ान की शुरुआत होने से यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट की भीड़, ट्रैफिक और अतिरिक्त समय से राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने इस अवसर पर कहा कि यह केवल एक टर्मिनल से उड़ान की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री उड़ान योजना को नई गति देने वाला ऐतिहासिक कदम है।

- **हिंडन टर्मिनल से देश के नौ प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू की गई**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA JAIPUR 19 JULY 2025

जयपुर एयरपोर्ट

फ्लाइट्स का शिड्यूल गड़बड़ाया

जयपुर @ पत्रिका. जयपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को भी एक दर्जन फ्लाइट का शिड्यूल गड़बड़ाया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइन की शाम 5:55 बजे वाराणसी जाने वाली फ्लाइट डेढ़ घंटे लेट हुई। वहीं शाम 7:05 बजे बेंगलूरु जाने वाली फ्लाइट आधा घंटे देरी से, शाम 6:35 बजे मुंबई जाने वाली फ्लाइट 45 मिनट लेट हुई। एयर इंडिया एक्सप्रेस की पुणे से शाम 4:40 बजे आने वाली फ्लाइट 45 मिनट, वाराणसी से दोपहर 3:50 बजे आने वाली फ्लाइट 1 घंटे, इंडियो एयरलाइन की हैदराबाद से रात 8:50 बजे जयपुर आने वाली फ्लाइट 50 मिनट की देरी से जयपुर पहुंची।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 21 JULY 2025

हिंडन सिविल टर्मिनल से शुरू हुईं नई हवाई सेवाएं

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने किया शुभारंभ

गाजियाबाद (आईएएनएस)। गाजियाबाद और आस-पास के लाखों निवासियों के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब हिंडन सिविल टर्मिनल से पहली बार व्यावसायिक उड़ानों की विधिवत शुरुआत हुई। इस बहुप्रतीक्षित सेवा का शुभारंभ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने किया। हिंडन टर्मिनल से देश के नौ प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू की गई है। इन शहरों में बेंगलुरु, कोलकाता, वाराणसी, इंदौर, चेन्नई, अहमदाबाद, पटना, गोवा और मुंबई शामिल हैं। इस नई सीधी हवाई सेवा से यात्रियों को इन शहरों तक पहुंचने में आसानी होगी और यात्रा का समय भी कम होगा। साथ ही इससे व्यापार, पर्यटन और आपसी संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा। हिंडन टर्मिनल से उड़ान की शुरुआत होने से यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट की भीड़, ट्रैफिक और अतिरिक्त समय से राहत मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने इस अवसर पर कहा कि यह केवल एक टर्मिनल से उड़ान की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री उड़ान योजना को नई गति देने वाला ऐतिहासिक कदम है। हमारा लक्ष्य है कि आम आदमी भी किफायती हवाई यात्रा का लाभ उठा सके। हिंडन से उड़ान सेवाएं एनसीआर के साथ-साथ पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए विकास के नए अवसर लेकर आएंगी। यह कदम क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। हिंडन एयरपोर्ट से नई उड़ानों के शुरू होने से यात्रियों को सुविधा होगी। इस नई सेवा से गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के लाखों यात्रियों को न सिर्फ यात्रा में सुविधा होगी, बल्कि समय और पैसे दोनों की बचत होगी। अब तक दिल्ली एयरपोर्ट पर निर्भर रहने वाले यात्रियों के लिए यह एक बड़ा विकल्प बनकर उभरेगा, खासकर घरेलू उड़ानों के लिहाज से। हिंडन सिविल टर्मिनल की यह पहल न सिर्फ लोगों की सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि यह क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगी। साथ ही, इससे स्थानीय पर्यटन, रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

- हिंडन टर्मिनल से देश के नौ प्रमुख शहरों के लिए मिलेगी सीधी हवाई सेवा

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT LUCKNOW 20 JULY 2025

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर यात्री से मिली 40 करोड़ की कोकीन

बेंगलुरु। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने 18 जुलाई को दोहा से बंगलूरू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। इस दौरान उसके पास से 4006 ग्राम (चार किलोग्राम से अधिक) कोकीन बरामद की गई। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 40 करोड़ रुपये आंकी गई है। कोकीन मैगजीन के कवर में छिपाकर रखी गई थी। इसे एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया है। यात्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पिछले महीने मुंबई में डीआरआई ने एक नाइजीरियाई महिला को प्रतिबंधित पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 21 JULY 2025

IndiGo launches direct flights to 9 Indian cities from Hindon Airport in Ghaziabad

STATESMAN NEWS SERVICE
NEW DELHI, 20 JULY

IndiGo on Sunday launched new direct flights from Hindon Airport in Ghaziabad, connecting nine major cities of India which are Bengaluru, Kolkata, Varanasi, Goa, Patna, Chennai, Mumbai, Ahmedabad, and Indore.

Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu Kinjarapu launched the new flight routes from Hindon Airport.

The flights offer convenient travel options for millions of residents in Ghaziabad, Noida, East and Central Delhi, and parts of Western Uttar Pradesh, the airline said in a statement.

After Air India Express, IndiGo becomes the second airline to mark its presence in Hindon Airport in the NCR. Four months ago, Air India Express started its operations here. "This is an (Udan) success of Hindon, Ghaziabad, western Uttar Pradesh, and the entire country. This is an Udan of the ambitions and aspirations of common Indians," the Minister said at Hindon airport.

Airlines' fleet, airports, terminal capacity, and flyers have doubled in India over the past decade, the minister said, reflecting the growth India's civil aviation sector has made. "During 2024-2034, civil aviation in tier II and III cities will grow and we will have to unlock the potential. Hindon will serve as an example," the minister said.

"We are committed to enhancing the aviation infrastructure across India to enable seamless and convenient service connecting the smallest towns in the country with the growing cities and metros," he said. "The Hindon Airport developed, under the UDAN Scheme in Ghaziabad, is offering the convenience of proximity to people living in Ghaziabad, Noida and Western UP. With the growing connectivity and passenger footfall at Hindon, we are working for the expansion of the terminal building," the minister added.

The civil aviation minister described the launch of IndiGo's operations from Hindon airport as a significant milestone in enhancing regional connectivity and would strengthen the Indian aviation infrastructure. With operations from both Indira Gandhi International Airport (DEL) and Hindon Airport (HDO), flyers based out of the National Capital Region will be served by these two airports. The Hindon Airport's development work was taken up in 2019 under UDAN at Rs 50 crore, in collaboration with Indian Air Force, Minister Naidu said in his address today.

The minister, during his speech, said the annual flyers from Hindon Airport was about 8,000 in 2019, which has risen to upwards of 80,000 now.

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 21 JULY 2025

'Adani grp to invest ₹96k cr in airports biz over 5 years'

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

Ahmedabad: Operating seven airports in India, including Mumbai CSMIA with Navi Mumbai set to join the list this Oct, the Adani group will invest close to Rs 1 lakh crore in its airport business over the next five years. This capex will be spread over both infra and real estate development. The conglomerate's airport head Jeet Adani (27), son of patriarch Gautam Adani, says the potential in India is so immense that it has no immediate plans to expand this vertical of business abroad. **Excerpts:**

What are your investment plans for the sector?

We do five-year rolling planning. In the next five years, our total investment planned in the airports ecosystem between infrastructure and real estate is almost Rs 95,000-96,000 crore. The biggest chunk of the capex will be at Navi Mumbai Airport, Mumbai Airport and real estate in these two places.

The other big projects are to build new terminals at airports in places like Ahmedabad, Jaipur and Thiruvananthapuram in next four years. The recently-built terminal in Lucknow will be expanded. A new terminal at Guwahati is ready and will be commissioned this Oct-Nov.

Do you have any plans to build and operate airports abroad too?

Not immediately. We see too much opportunity in India and don't want to distract ourselves by going abroad. We keep getting feelers from abroad. But at the end of the day, it's about our management bandwidth and where do we want to keep our capital. We believe India will see some serious growth in the next 10-15 years. There's so much growth opportunity here with 26 airports already identified for being developed PPP way. Our focus is on going deeper in India and establishing a broader presence here, rather than going abroad.

> "We believe India will see some serious growth in the next 10-15 years. There's so much growth opportunity here with 26 airports already identified for being developed PPP way. Our focus is on going deeper in India and establishing a broader presence here, rather than going abroad

> "As a group, we have fantastic relationship with IndiGo and the Tatas. (To boost aviation ecosystem) We have spoken to both and have asked them to include us into their planning and be a part of our planning

—JEET ADANI | ADANI GROUP DIRECTOR (AIRPORTS)

What is the investment that the upcoming Navi Mumbai will see?

We clubbed phase I and II of that airport and will open with an initial capacity of 2 crore passengers annually (CPA) instead of building 1 CPA at a time. This has been built with a capex of Rs 19,000 crore. We have already started work on T2 for Navi Mumbai International Airport (NMIA) which could either be 3-CPA capacity at Rs 30,000 crore or 5-CPA capacity with a capex of Rs 40-45,000 crore.

That decision will be taken shortly and T2 construction work will start in 6-12 months. Our overall capex on NMIA that will take it to the ultimate capacity of 9 CPA will be Rs 1 lakh crore. A completely new T1 at Mumbai CSMIA will be built by 2032 at a cost of Rs 5,000 crore.

How do you plan to fund this capex?

Equity we will put on our own. We have to refinance NMIA. The same lenders have already expressed willingness to participate in the next round. Our philosophy is to pre-invest in infra because we are willing to take a position on the growth of the aviation sector and growth of the economy of the cities we are in. The sector has some real tailwinds.

What makes you so bullish on aviation, given the not so happy relation between airlines and airports here in the past?

We are not here just as an airport operator but are here to drive the entire ecosystem forward. It is not a fight between airline and airport operators. Collectively, our aviation ecosystem has to get the traffic currently transiting between India and rest of the world through nearby hubs in the Gulf, Southeast Asia and even Europe (for North America market). Those places have a deep integration between airports and airlines, which as of now is not there in India. Fortunately as a group, we have fantastic relationship with IndiGo and the Tatas. We have spoken to both and have asked them to include us into their planning and be a part of our planning.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 20 JULY 2025

INTL & DOMESTIC OPS AT NAVI MUM IN OCT, 300 FLIGHTS BY MARCH 2026

Saurabh.Sinha@timesofindia.com

The much-awaited Navi Mumbai International Airport (NMIA) will see both domestic and international flights this Oct, a week to 15 days after inauguration on or around Sep 30. Starting with 60 daily flights (30 arrivals and as many departures) in the first month, the number will double after 30 days and then reach the 240-300 mark in six months. In its first phase, with a capacity of 2 crore passengers annually (CPA), the greenfield airport will handle 400 daily flights within a year, Adani Group director (airports) Jeet Adani told TOI on Friday in an exclusive interaction.

"We aim to have both domestic and international operations at NMIA from day one. If that does not happen for some reason, both will start for sure within the same month (Oct). The ratio of domestic and international flights will be 4:1 as T1 domestic capacity is 1.7 CPA and int'l is 30 LPA (lakh per annum). We have the flexibility to increase international passengers, based on demand," Adani said.

While in its initial days connectivity may be an issue, eventually NMIA will be well-connected with a network of roads, rail, metro, air taxis and water connectivity. An aerocity is being developed that will, among other things, have hotels in all ranges from budget to luxury.

"We have kept a digital first mindset at NMIA T1 with every service going to be digitally enabled from day one and the airport will be managed in a smart manner. From a consumer point of view, we will be able to give all the information in real time. Logging on to Adani One app, passengers will be able to know that their check-in bag is now on belt number so & so and we plan to do it from the day the airport gets operational. There will be no need to congregate at the belt and keep looking for one's check-in bag/s," Adani said.

The digital footprint aims to change flyer "anxiety to excitement". "What are the biggest flyer concerns? 'Will I miss my flight? How long are the queues at various touchpoints? I forgot to pick up something for loved ones!' Scanning the boarding card will give all info on the app. So if you're able to give them information that 'relax, your walking time to gate is exactly so many minutes or that boarding hasn't started or your aircraft hasn't even landed yet, they will be able to comfortably explore the airport'," he said.

Running both Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA) and NMIA, the group has identified catchment areas for both. For people in the northern suburbs of Mumbai like Borivli, Kandivli and Virar, NMIA will be a long way off and they will continue to opt for CSMIA. "The eastern Mumbai catchment area all the way to Pune will find NMIA perfect for them as they won't have to enter the city. South Mumbai will be equidistant from both airports," Adani said.

Adani Group seeks same pricing for both airports

The Adani Group has asked the Airports Economic Regulatory Authority (AERA) to consider both airports as a single entity with common charges. "CSMIA is an older airport with a depreciated asset base. NMIA is new greenfield airport. The cost structures are high for one and way low for the other. We are working with govt on how to combine these cost structures so that, as a system, flying becomes more affordable," Jeet Adani said. "When both the airports are serving the same catchment, same economy, same city then why should there be differential pricing instead of a lower pricing for all? The AERA Act allows grouping of airports." TNN

DIGITAL-FIRST AIRPORT: NMIA T1 TO OFFER LIVE BAG TRACKING & MORE

Sep 30 Likely inauguration of Navi Mumbai International Airport (NMIA)

Oct 15 Tentative date for NMIA operations to begin. Could be seven days prior as well

OPERATIONS

- Both domestic & international operations likely from day one
- If not on the same day, international too will begin in Oct a few days after domestic flights start

PASSENGERS

3 cr Likely annual passenger capacity of NMIA T2*

5cr Annual capacity that T2 may be scaled up to

*Work on NMIA T2 expected to start in 6-12 months of T1 getting operational. CSMIA T1A to be demolished once NMIA T1 stabilises

"We will do structural strengthening of Mumbai T1 immediately as safety is something we can't compromise with

Jeet Adani | DIRECTOR (AIRPORTS), ADANI GROUP

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 20 JULY 2025

Razing of Mum T1 to start soon in phases, will be over by 2029-30

Ahmedabad: The demolition of terminal one (T1) at Mumbai will be completed in 2029-30 once Navi Mumbai gets its second terminal. Accordingly, a completely new T1 at Mumbai will be ready by 2032. Given the massive demand for travel, Jeet Adani said work has already started on NMIA T2 and construction will begin in 6-12 months of the new airport getting operational.

"Initially we planned to demolish Mumbai T1 in one go but there has been a rethink. Given the demand, a second terminal will be needed at NMIA within three years. Whether that T2 is built with a capacity of 3 crore passengers annually (CPA) or 5 CPA is being decided. That should be ready by 2029-30," Adani said. NMIA phase one has cost Rs 19,000 crore. A 3-CPA T2 there will cost about Rs 30,000 crore while a 5-CPA will cost Rs 40-45,000 crore.

"Mumbai T1 has two problems — ageing infrastructure due to which it requires some immediate strengthening. Secondly, being built in phases and not planned properly, it suffers from inefficiency of operations. We might demolish T1 A immediately (after NMIA operations stabilise). We are not taking out 1.5 CPA capacity of T1 from the system immediately. Major capacity of Mumbai T1 will be taken out when NMIA T2 gets operational by 2029," he said.

The group has begun engineering work for Mumbai's proposed new T1 and is planning a modular expansion where a new structure in place of T1 A can be built and then subsequently be connected seamlessly on as more parts get demolished by 2030 and new ones built in their place. The capacity of the current T1 is 1.5 CPA, which will increase to 2 CPA at a cost of Rs 5,000 crore once the brand new terminal is ready. "We had designed T1 (by demolishing the entire thing in one go as earlier planned) and are now redesigning it. Aesthetics will be the same," he said.

CSMIA has two terminals, T1 and T2. T1 comprises T1A, B and C buildings, which were built over the last 50 years, with 1B being constructed in 1965, 1A in 1992 and 1C in 2010. T1B's structural audit was conducted in August 2017 and its report had said, "In the period of (T1B's) existence, the structures have developed various defects."

Incidentally, Delhi Airport had demolished its oldest terminal – T1B – many years ago.

Mumbai's twin airports will be linked by metro. "We are working with Cidco and Maharastra govt to set up a dedicated metro line from CSMIA T2 to the centre of NMIA with a timeline of 2029-30. A dedicated freight bogey has been sought on this metro so that baggage transfers also happen seamlessly," he said. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 21 JULY 2025

तकनीकी खराबी के कारण रांची से दिल्ली आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान रद्द

रांची। एअर इंडिया एक्सप्रेस की रांची से दिल्ली आ रही एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रविवार को रद्द कर दिया गया। इसके बाद रांची हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। यात्रियों को उड़ान समय के पुनर्निर्धारण को लेकर एयरलाइन कर्मचारियों के साथ तीखी बहस करते देखा गया।

हवाई अड्डे के निदेशक आरआर मौर्य ने बताया, रांची से दिल्ली जाने वाली एआईएक्स-1200 उड़ान में उड़ान भरने से पहले जांच के दौरान तकनीकी खराबी का पता चला। यह विमान शाम 6 बजे उड़ान भरने वाला था। कुछ यात्रियों को अन्य उड़ानों में जगह दी गई, जबकि कई अन्य के टिकट रद्द कर दिए गए। उन्होंने कहा कि कुछ यात्रियों के टिकट सोमवार के लिए पुनर्निर्धारित किए गए हैं। एक यात्री फैज अनवर ने बताया, हम शाम लगभग 5.20 बजे विमान में सवार हुए और 7 बजे तक इंतजार किया, जब अचानक बिना कोई कारण बताए हमें उतरने के लिए कह दिया गया। एजेंसी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 21 JULY 2025

विमान हादसा...जांच में पायलट संधू की मदद लेगा एएआईबी

मुंबई। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अनुभवी पायलट और एअर इंडिया के पूर्व संचालन निदेशक कैप्टन आरएस संधू को अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में डोमेन विशेषज्ञ के तौर पर शामिल किया है। संधू एअर इंडिया में बोइंग 787-8 बेड़े के लिए नामित परीक्षक भी थे, और 2013 में इस 787-8 विमान वीटी-एएनबी की डिलीवरी भी ली थी जो अब दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। सूत्रों ने बताया कि एएआईबी ने संधू से जांच में एक विशेषज्ञ के तौर पर शामिल होने के लिए संपर्क किया था और उन्होंने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। लगभग 39 वर्षों तक एअर इंडिया में विभिन्न पदों पर रहे संधू विमानन परामर्श फर्म एविजियोन के संस्थापक हैं। वह टाटा समूह की एयरलाइनों के एकीकरण पर काम करने वाली टीम का नेतृत्व भी कर चुके हैं। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 21 JULY 2025

उड़ान के समय विमान की खिड़कियां अब बंद करने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। वायुसेना के हवाईअड्डों पर अब व्यावसायिक एयरलाइंस के यात्रियों को उड़ान के समय विमान की खिड़कियों को बंद करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने आदेश जारी कर इस पाबंदी को वापस ले लिया है। हालांकि, इन हवाईअड्डों पर हवाई और जमीनी फोटोग्राफी पर प्रतिबंध अभी भी लागू है। ऑपरेशन सिंदूर के समय डीजीसीए ने एक आदेश जारी कर वायुसेना और व्यावसायिक एयरलाइंस दोनों के इस्तेमाल में आने वाले हवाईअड्डों पर सुरक्षा कारणों से विमान की खिड़कियां बंद रखने और हवाई/जमीनी फोटोग्राफी को प्रतिबंधित कर दिया था। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 21 JULY 2025

A-I crash probe: Veteran pilot Sandhu appointed domain expert

Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has appointed veteran pilot and Air India's former director of operations Captain RS Sandhu as a domain expert in the ongoing probe into the Ahmedabad plane crash that killed 260 persons last month, sources said on Sunday. Sandhu, who was also a designated examiner for the Boeing 787-8 fleet at Air India, had taken delivery of the now-crashed 787-8 plane — VT-ANB — in 2013. On June 12, Air India's Boeing 787-8 aircraft en route to London Gatwick from Ahmedabad crashed into a building soon after takeoff, killing 260 people, including 19 people on the ground. Out of the 242 people onboard, one passenger survived. On July 12, the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) released its preliminary report into the fatal crash. "AAIB has onboarded seasoned aviator RS Sandhu in the ongoing investigation of the Air India Boeing 787-8 plane crash in Ahmedabad last month," one of the sources told *PTI*. AAIB had apparently approached Sandhu to be a domain expert in the ongoing probe, and he agreed to the proposal, the sources said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 19 JULY 2025

सिटी एंकर प्रदेश में फ्लाइट संचालन को लेकर एक ही पैटर्न, विंटर में बढ़ाना, समर में कम करना

जयपुर में 72 फ्लाइट थी, अब 56 ही उड़ रही; उदयपुर में 20 थी, 14 बंद

शिवांग चतुर्वेदी | जयपुर

एयरलाइंस कंपनियों की मनमानी प्रदेश के एयर कनेक्टिविटी पर भारी पड़ रही है। कंपनियों ने राजस्थान को पर्यटन सिटी मानते हुए पिछले पांच साल से एक ही पैटर्न अपना रखा है। विंटर आते ही कंपनियां नए शहरों से फ्लाइट संचालन शुरू करते हुए संख्या बढ़ा देती हैं, जबकि समर शुरू होते ही फ्लाइट्स लगातार कम करती जाती है। इसके चलते ही प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी घट रही है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के एयरपोर्ट्स पर फ्लाइटों का संचालन तो बहुत कम हो गया है। सबसे ज्यादा नुकसान जैसलमेर और उदयपुर के हवाई यात्रियों को हो रहा है। जयपुर में यात्री भार होने के बाद भी समर में 15 फ्लाइट घटा दी। विंटर में 72 थी, अब 56 ही संचालित हो रही है।

जयपुर में समर में हर साल घटी फ्लाइट

	समर शेड्यूल	विंटर शेड्यूल
2022	53 फ्लाइट	65 फ्लाइट
2023	60 फ्लाइट	63 फ्लाइट
2024	62 फ्लाइट	70 फ्लाइट

बीकानेर से दिन में सिर्फ 1 फ्लाइट, जैसलमेर से 1 भी नहीं

जैसलमेर एयरपोर्ट की छवि तो विंटर एयरपोर्ट की बनकर ही रह गई है। जैसलमेर से अक्टूबर में फ्लाइट संचालन शुरू होता है और फरवरी मध्य तक रहता है। पिछले 5 साल में यही स्थिति है। बीकानेर एयरपोर्ट की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। बीकानेर एयरपोर्ट से अलायंस एयर की जयपुर और दिल्ली के लिए 2 फ्लाइट संचालित थी, जो इन दिनों बंद है। दिल्ली के लिए इंडिगो एयरलाइन फ्लाइट संचालित नहीं करती तो एयरपोर्ट ही बंद हो जाता। उदयपुर से अभी अहमदाबाद के लिए भी फ्लाइट संचालित नहीं हो रही है, जबकि वहां से अहमदाबाद जाने वाले यात्रियों की संख्या बहुत है। पुणे और चेन्नई के लिए भी एयर कनेक्टिविटी नहीं है। इधर, जोधपुर से शाम के समय फ्लाइट्स संचालित नहीं हो पाती हैं।

प्रदेश के एयरपोर्ट्स के हाल एक नजर में

- बीकानेर से दिल्ली के लिए एक फ्लाइट संचालित हो रही है।
- जैसलमेर से फ्लाइट संचालन पूरी तरह बंद है।
- उदयपुर से जयपुर, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और इंदौर के लिए फ्लाइट्स संचालित हो रही है। विंटर में 20 फ्लाइट संचालित हो रही थीं। अभी 6 शहरों से ही कनेक्टिविटी। यात्री भार भी 3 हजार तक सिमटा, पहले 5 हजार से अधिक था।
- जोधपुर से रोजाना 8 फ्लाइट संचालित हो रही हैं। सर्दियों में रोजाना 14 फ्लाइट संचालित होती थीं।
- किशनगढ़ से 4 फ्लाइट संचालित हो रही हैं।
- जयपुर से रोजाना 56 फ्लाइट संचालित हो रही हैं। सर्दियों में रोजाना 72 फ्लाइट संचालित होती थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 20 JULY 2025

जयपुर से शुरू होगी नवी मुंबई के लिए फ्लाइट, अभी 9 उड़ रही

जयपुर | गोवा और दिल्ली के बाद मुंबई तीसरा शहर होगा, जहां फ्लाइट ऑपरेशन के लिए दो एयरपोर्ट होंगे। 15 अक्टूबर से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शुरू किया जा सकता है। छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहले से संचालित है। खास बात ये है कि जयपुर से दोनों एयरपोर्ट से फ्लाइट्स संचालित की जाएंगी। इस साल के अंत तक इंडिगो, एयर इंडिया, अकासा और स्पाइसजेट में से एक एयरलाइंस जयपुर से नवी मुंबई के लिए फ्लाइट शुरू करेगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICLE HYDERABAD 20 JULY 2025

PHUKET BOUND AI FLIGHT BACK DUE TO SNAG

Hyderabad: A holiday-bound Air India flight to Phuket returned to Rajiv Gandhi International Airport shortly after take-off on Saturday morning due to technical issues, ensuring the safety of 98 passengers and crew members on board. After the landing, the passengers and crew heaved a sigh of relief.

Flight IX110, bound for Phuket from Hyderabad, took off at 6.47 am — nearly 27 minutes behind its scheduled departure time of 6.20 am. Around 10 minutes into the flight, at 6.49 am, the pilot detected a technical issue and promptly turned the aircraft back.

It landed safely at 6.57 am, much to the relief of all on board.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 21 JULY 2025

हमें एएआइबी पर विश्वास, पश्चिमी मीडिया न लगाए कयास : नायडू

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर बोले केंद्रीय नागर विमानन मंत्री

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर पश्चिमी मीडिया किसी तरह का कयास न लगाए। सरकार हादसे पर भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, इसके बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकेगा। जल्दबाजी में कुछ भी बोलना ठीक नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने हिंडन एयरपोर्ट से कई शहरों के लिए विमान सेवा शुरू करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पश्चिमी मीडिया जिस तरह से लेख प्रकाशित करने का प्रयास कर रहा है, उसमें उनका स्वार्थ निहित हो सकता है। यह एएआइबी की रिपोर्ट पर ही भरोसा करेंगे। एएआइबी ने ही ब्लैक बाक्स का डाटा सफलतापूर्वक डिकोड किया है, जो भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। पहले जब कभी ब्लैक बाक्स को नुकसान होता था तो डाटा निकालने के लिए विदेश भेजा जाता था। यह पहली बार हुआ है जब देश में ही डाटा डिकोड किया गया है। रिपोर्ट का पूरा अध्ययन कर रहे हैं और सुरक्षा के दृष्टि से जो भी जरूरी होगा वह करने के लिए तैयार हैं। सरकार विमानन सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी।

विमान हादसे की एएआइबी ने जांच के बाद प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया था कि विमान ने भारतीय समयानुसार एक बजकर 38 मिनट 42 सेकंड पर अधिकतम दर्ज की गई गति 180 नाट्स आइएएस हासिल की थी। एक सेकंड बाद ही इंजन एक और इंजन दो के ईंधन के स्विच कटआफ हो गए। काकपिट वायस रिकार्डिंग के अनुसार कहा गया कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन स्विच आफ क्यों किया। तो वह जवाब देता है कि उसने ऐसा नहीं किया। इसके बाद विमान ने ऊंचाई खोनी शुरू कर दी। यह केवल प्रारंभिक रिपोर्ट थी। अब अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही विदेशी मीडिया इसे पायलट की गलती बता रहा है।

- कहा-ब्लैक बाक्स का डाटा डिकोड करना भारत की बड़ी उपलब्धि
- कहा- अंतिम रिपोर्ट आने से पहले कुछ भी बोलना ठीक नहीं

<< उद्घाटन समारोह में बोलते केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ● जागरण

नौ शहरों के लिए उड़ान शुरू कर केंद्रीय मंत्री नायडू बोले- भविष्य में हिंडन से लंदन भी जाएंगे लोग

जासं, साहिबाबाद : हिंडन एयरपोर्ट से देश के विभिन्न शहरों के लिए लगातार उड़ान सेवा शुरू हो रही हैं, लेकिन एक दिन लोग यहां से लंदन के लिए भी उड़ान भरेंगे। यह सपना हम सब मिलकर जरूर पूरा करेंगे। अभी तक केवल बैकअप एयरपोर्ट की तरह हिंडन को देखते थे। अब बैकबोन एयरपोर्ट की तरह उभर रहा है। हिंडन एयरपोर्ट के इतिहास में ये एक महत्वपूर्ण दिन है, जब नौ शहरों के लिए 10 नई उड़ान शुरू की गई हों। ये बातें हिंडन एयरपोर्ट सिविल टर्मिनल में रविवार को केंद्रीय मंत्री (नागर विमानन) किंजरापु राम मोहन नायडू ने विमानन कंपनी इंडिगो की नौ शहरों अहमदाबाद, गोवा, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए उड़ान सेवा का उद्घाटन करने के दौरान कहीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेरे एक वर्ष के कार्यकाल में कहीं ऐसा नहीं हुआ कि इतने बड़े स्तर पर एक साथ उड़ाने शुरू हुई हो। हिंडन से अहमदाबाद व इंदौर के लिए पहली बार उड़ान भर सकेंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 21 JULY 2025

Ex-Air India Ops Head Joins Crash Probe

Arindam Majumder

New Delhi: The Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has inducted RS Sandhu, former head of operations at Air India, into the panel probing last month's fatal air crash in Ahmedabad, following demands from the pilots' union for expert representation in the investigation process.

Sandhu, a veteran Boeing 787 pilot and designated examiner, led Air India's flight operations until August 2023. His inclusion is expected to lend technical credibility to the inquiry into the tragic crash, which claimed 260 lives.

The Airline Pilots' Association of India (ALPA-India), representing over 800 pilots, had earlier sought representation on the probe panel. "The bureau desperately needs to invoke public confidence in the process. Sandhu's appointment as a subject matter expert is a positive step in that direction," said a person familiar with the development.

The preliminary AAIB report has drawn criticism from airline officials and aviation experts, with some calling it selective and lacking crucial context. The report suggested the aircraft's fuel switches were shut off seconds after takeoff, adding that the cockpit voice recorder revealed confusion between the pilots over who initiated the action — raising suspicion of pilot suicide. However, critics noted the report failed to provide comprehensive data or instructions for manufacturers Boeing and GE.

It also cited a 2018 FAA advisory warning of possible disengagement of fuel switch-locking mechanisms on a different aircraft type. As the advisory did not highlight an unsafe condition, Air India did not inspect its fleet at the time. Nevertheless, the airline did replace the throttle and fuel control modules, including fuel switches, on its Dreamliner fleet in 2019 and again in 2023.

Both AAIB and the Ministry of Civil Aviation did not respond to queries sent on Sunday. Sandhu, too, did not reply.

AAIB chief GVG Yugandhar recently urged restraint from the public and global media amid intense scrutiny of the investigation.

This came after The Wall Street Journal reported that a cockpit recording suggests the captain intentionally cut off fuel supply, prompting US officials to consider whether the matter warrants criminal investigation.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 21 JULY 2025

AAIB appoints veteran pilot as expert in AI crash probe

PRESS TRUST OF INDIA
Mumbai, July 20

THE AIRCRAFT ACCIDENT Investigation Bureau (AAIB) has roped in veteran pilot and Air India's former director of operations Captain RS Sandhu as a domain expert in the ongoing probe into the Ahmedabad plane crash that killed 260 persons last month, sources said.

Sandhu, who was also a designated examiner for the Boeing 787-8 fleet at Air India, had taken delivery of the now-crashed 787-8 plane—VT-ANB--in 2013. He was with Air India for 39 years in various capacities, and is the founder of aviation consultancy firm Aviazione. He had also headed a team that worked on the integration of the Tata Group airlines.

"AAIB has onboarded seasoned aviator RS Sandhu in the ongoing investigation of the Air India Boeing 787-8 plane crash in Ahmedabad last month," one of the sources said. The AAIB had apparently approached Sandhu to be a domain expert in the ongoing probe, and he agreed to the proposal, the sources said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 20 JULY 2025

SpiceJet fined ₹12,000 for delaying family's trip

NT Correspondent
BENGALURU

In a relief to a passenger whose family vacation was delayed due to a rescheduled flight, the Bengaluru First Additional District Consumer Disputes Redressal Commission has imposed a fine of ₹12,000 on SpiceJet for causing inconvenience and additional expenses.

The complainant, RN Nagaraj from Kodigehalli, had booked SpiceJet flight tickets for a family holiday from Bengaluru to Bagdogra in Bhutan under the Leave Travel Concession (LTC) scheme for a period of April 4 to 11, 2024. The original departure was scheduled for 10:30 am on April 4, but the airline rescheduled it to the next day, causing the family to postpone their travel plans by 24 hours.

Hearing the case, a bench comprising Commission president Syed Anser Kaleem and its member Sharavathi SM ruled that the airline failed to provide any convincing documentary evidence justifying the delay. SpiceJet neither denied the delay nor offered any apology for the inconvenience caused, the order noted.

Due to the rescheduling, Nagaraj's family had to bear additional expenses for accommodation, local transport, and meals, allegedly amounting to over □30,000. However, the Commission noted that supporting documents for the full amount were lacking and hence awarded ₹10,000 as compensation with 7.5% annual interest, plus ₹2,000 for litigation costs, to be paid within 30 days.

The bench pointed out that making a family wait an entire day without proper explanation amounts to mental agony and financial loss.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI DELHI 21 JULY 2025

एयर इंडिया दुर्घटना के बाद टाटा समूह का अहम कदम

टाटा संस ने पीड़ितों के लिए बनाया 500 करोड़ का ट्रस्ट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

टाटा संस ने शुक्रवार को मुंबई में 500 करोड़ रुपए के एक पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन औपचारिक रूप से पूरा कर लिया।

यह ट्रस्ट 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 की दुखद घटना के पीड़ितों को समर्पित है, जिसमें 260 लोग मारे गए थे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस ट्रस्ट का नाम 'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' होगा। जो मृतकों के आश्रितों/निकटतम रिश्तेदारों, घायलों और

दुर्घटना से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित सभी लोगों को तत्काल और निरंतर सहायता प्रदान करेगा। ▸▸ शेष पेज 5 पर

ट्रस्ट का नाम 'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' होगा

तत्काल और निरंतर सहायता मिलेगी

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स 250-250 करोड़ देंगे

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स ने ट्रस्ट के परोपकारी कार्यों के लिए 500 करोड़ रुपए (दोनों ने 250-250 करोड़ रुपए) देने का संकल्प लिया है। इसमें मृतकों के लिए 1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि, गंभीर रूप से घायलों का इलाज और दुर्घटना में क्षतिग्रस्त भवनों की पुनर्निर्माण सहायता शामिल है।

ट्रस्टियों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी

ट्रस्ट का प्रबंधन और प्रशासन 5 सदस्यीय न्यासी बोर्ड द्वारा किया जाएगा। बोर्ड में नियुक्त शुरुआती दो ट्रस्टी टाटा समूह के पूर्व दिग्गज एस. पद्मनाभन और टाटा संस के जनरल काउंसल सिद्धार्थ शर्मा हैं। टाटा संस ने कहा कि अतिरिक्त ट्रस्टियों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। कर अधिकारियों के साथ आवश्यक रजिस्ट्रेशन और वर्तमान में चल रही अन्य परिचालन औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद ट्रस्ट को फंड किया जाएगा। और यह पूरी गंभीरता से अपना काम शुरू कर देगा।

टाटा संस ने पीड़ितों...

संकट को कम करने में मददगार होगा: कंपनी ने कहा कि ट्रस्ट दुर्घटना के बाद अमूल्य संस्थागत सहायता और सेवा प्रदान करने वाले फर्स्ट रेस्पॉन्डर्स, मेडिकल और आपदा राहत पेशेवरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सरकारी कर्मचारियों को हुए किसी भी आघात या संकट को कम करने के लिए सहायता भी प्रदान करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI DELHI 21 JULY 2025

डीडीजी पदों के खाली रहने से अगले स्तर की पदोन्नति भी रुकी

तकनीकी खामियों और उड़ान रद्द होने की घटनाएं भी बढ़ी हैं

ऐसे में कैसे होगी हवाई यात्रियों की सुरक्षा: डीजीसीए में तकनीकी पदों की लगभग आधी सीटें हैं खाली

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में तकनीकी पदों की भारी कमी ने भारतीय विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और दक्षता को लेकर चिंता बढ़ा दी है।डीजीसीए में कुल 1674 स्वीकृत पदों में से 503 ग्रुप-ए तकनीकी पद खाली हैं, जो कुल पदों का लगभग 30 फीसदी है। यह कमी ऐसे समय में सामने आई है, जब जून 2025 में हुए एयर इंडिया फ्लाइट 171 हादसे, जिसमें 260 लोगों की मौत हुई थी, के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की जांच तेज हो गई है।

एक पूर्व नौकरशाह ने बताया, डीजीसीए के तकनीकी अधिकारी सुरक्षा निगरानी, अनुमोदन और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन पदों की कमी न केवल सुरक्षा को प्रभावित करती है, बल्कि नियामक की दक्षता को भी कम करती है। उन्होंने इसे दिल्ली पुलिस से डीसीपी पदों को हटाने के समान बताया, जिससे संगठन की कार्यप्रणाली पर गंभीर असर पड़ता है। डीजीसीए की एक आंतरिक रिपोर्ट के अनुसार, डीजीसीए में उप-महानिदेशक (डीडीजी) के 6 पद वायुयोग्यता निदेशालय में, 6 ऑपरेशंस में, 2 हवाई सुरक्षा में और 4 अन्य निदेशालयों में खाली हैं। इसके अलावा, संयुक्त महानिदेशक (जेडीजी) का एक पद भी रिक्त है। एक पूर्व डीजीसीए अधिकारी ने बताया कि डीडीजी पदों के खाली रहने से अगले स्तर की पदोन्नति भी रुकी हुई है, क्योंकि जेडीजी पद के लिए कम से कम तीन साल का डीडीजी अनुभव अनिवार्य है। संसद की परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी स्थायी समिति ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा पर बैठक की, जिसमें इन रिक्तियों पर गत 9 जुलाई को चर्चा हुई। समिति ने डीजीसीए की स्टाफिंग समस्याओं और इसके सुरक्षा ऑडिट पर प्रभाव को लेकर चिंता जताई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के उच्चपदस्थ सूत्रों ने माना कि, डीजीसीए में विशेषज्ञों की कमी है, जिसका असर देश के विमानन नियामक की कार्यक्षमता पर पड़ रहा है।

विदित हो कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय विमानन क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ ही तकनीकी खामियों और उड़ान रद्द होने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मोदी सरकार द्वारा उड्डयन क्षेत्र में सुरक्षा को प्राथमिकता न देना चिंताजनक है। डीजीसीए, बीसीएएस और एएआई में अधिकारियों की भारी कमी है। यह स्थिति विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और नियामक प्रक्रियाओं पर सवाल उठाती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI	DELHI	21 JULY 2025

अहमदाबाद विमान हादसे में बड़ा खुलासा, जांच अधिकारी हैरान

आखिरी 26 सेकंड में क्या हुआ, विमान के पिछले हिस्से में मिला अहम सुराग

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत समेत पूरी दुनिया को हिला देने वाले अहमदाबाद विमान हादसे की जांच जारी है। इस हादसे को लेकर जांचकर्ता बारीकी से बोइंग ड्रीमलाइनर के मलबे की जांच कर रहे हैं। अब भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआई) की जांच में एक नया और चौंकाने वाला मोड़ आया है। विमान के पिछले हिस्से के मलबे में सीमित इलेक्ट्रिकल आग के निशान मिले हैं, जिसने जांच की दिशा को इलेक्ट्रिकल सिस्टम की खराबी की ओर मोड़ दिया है।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में यह भी सामने आया कि दिल्ली से अहमदाबाद आने वाली पिछली उड़ान एआई-423 में पायलट ने एसपीएक्स (स्टेबलाइजर पोजिशन ट्रांसड्यूसर) की खराबी की शिकायत दर्ज की थी। यह सेंसर विमान की पिच को नियंत्रित करता है और फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम को डेटा भेजता है। अहमदाबाद में मेंटेनेंस इंजीनियर ने इसकी जांच के बाद उड़ान को मंजूरी दी थी, लेकिन अब जांचकर्ता इस सेंसर की खराबी को व्यापक इलेक्ट्रिकल सिस्टम की समस्या से जोड़ रहे हैं।

पिछले हिस्से के मलबे में मिले एपीयू, ट्रांसड्यूसर्स और रडर्स को सुरक्षित रखा गया है, ताकि इनका विस्तृत विश्लेषण किया जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि उड़ान के दौरान इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी से सेंसर डेटा में गड़बड़ी हुई होगी, जिससे ईसीयू ने इंजनों को गलत कमांड भेजा रैम एयर टरबाइन तैनात हुआ, जो इलेक्ट्रिकल विफलता के दौरान आपातकालीन शक्ति प्रदान करता है, लेकिन विमान की कम ऊंचाई (625 फीट) से पायलटों को सुरक्षित लैंडिंग का समय नहीं मिला। विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल मेस भवन पर गिरा, जहां पीछे का हिस्सा अलग हो गया। इससे जांच में अहम सुराग मिले। जांच में बोइंग, जनरल इलेक्ट्रिक, अमेरिका की एनटीएसबी और ब्रिटेन की सीएए के विशेषज्ञ शामिल हैं।

इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी

जांचकर्ताओं का मानना है कि इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी ने इंजन कंट्रोल यूनिट को गलत डेटा भेजा, जिसके परिणामस्वरूप ईंधन आपूर्ति रुक गई। विमान के पिछले हिस्से में स्थित ऑक्जिलरी पावर यूनिट बरकरार मिली, लेकिन रियर ब्लैक बॉक्स को व्यापक क्षति पहुंची है, जिससे डेटा निकालना मुश्किल हो गया। हालांकि, फ्रंट ब्लैक बॉक्स से डेटा सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ जो जांच के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

इलेक्ट्रिकल आग के निशान मिले

ब्लैक बॉक्स में मिला ये डेटा : विमान का पिछला ब्लैक बॉक्स, जिसे आफ्टर एन्हांस्ड एयरबोर्न फ्लाइट रिकॉर्डर कहा जाता है। हॉस्टल की मेस की छत पर मिला था। यह बॉक्स गर्मी से काफी ज्यादा खराब हो गया था, जिसकी वजह से सामान्य तरीकों से इसका डेटा निकालना मुमकिन नहीं हो पाया। जब उसकी मेमोरी कार्ड को खोला गया, तो पता चला कि वह भी बुरी तरह जल चुका था और बहुत नुकसान पहुंचा था।। जले हुए मलबे में मिला विमान का आगे का ब्लैक बॉक्स काफी हद तक सुरक्षित था। यह हिस्सा भी जल चुका था, लेकिन विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को इससे जरूरी डेटा निकालने में सफलता मिली।

उड़ान के 26 सेकंड बाद क्या हुआ?
दुर्घटना की जांच कर रहे अधिकारियों का ध्यान अब विमान के पिछले हिस्से यानी टेल सेक्शन पर है। जांचकर्ताओं का मानना है कि उड़ान भरने के 26 सेकंड के भीतर इस हिस्से में कुछ गड़बड़ी हुई थी, जो एयरपोर्ट से उड़ान भरते वक्त हुई थी। उन्हें लगता है कि यहीं से उन्हें दुर्घटना के अहम सुराग मिल सकते हैं। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि टेल सेक्शन या एम्पेनेज में सीमित क्षेत्र में बिजली से जुड़ी आग के संकेत मिले हैं।

उत्तराखंड हेलीकॉप्टर हादसे की जांच

'रोटर ब्लेड' के केबल से टकराने से क्रैश हेलीकॉप्टर

उत्तराखंड में मई में हुए हेलीकॉप्टर हादसे की प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि उसका मुख्य रोटर ब्लेड ऊपर से गुजर रही फाइबर केबल से टकराया था जिसके बाद हेलीकॉप्टर पहाड़ी से नीचे गिरकर एक पेड़ से अटक गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने बताया कि जांच दल दुर्घटना के मूल कारण का पता लगाने कार्रवाई कर रहा है।

नागरिक उड्डयन मंत्री बोले

अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कीजिए

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि सरकार कोई निष्कर्ष निकालने से पहले दुर्घटना पर अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करेगी। उन्होंने पश्चिमी मीडिया को लताड़ लगाते हुए कहा कि वे अटकलों से बचें और भारत में ब्लैक बॉक्स डेटा को डिकोड करने के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सराहना करें। एएआईबी ने विशेष रूप से पश्चिमी मीडिया के लिए एक अपील की है, जो कि वे जिस तरह के लेखों को प्रकाशित करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 21 JULY 2025

एयर एम्बुलेंस से दिल्ली लाई गई 75% जल चुकी किशोरी

भुवनेश्वर में रविवार को एयर एंबुलेंस से दिल्ली रेफर करने के दौरान मरीज के लिए बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ग्रीन कॉरीडोर बनाया गया। • पेट

- ग्रीन कॉरीडोर बनाकर भुवनेश्वर हवाई अड्डा पहुंचाई गई पीड़िता
- शनिवार सुबह बाइक सवार युवकों ने दिया था घटना को अंजाम

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के पुरी जिले में आग के हवाले की गई किशोरी रविवार को एम्स भुवनेश्वर से एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली एम्स लाई गई। 15 वर्षीय लड़की को शनिवार सुबह तीन अज्ञात बदमाशों ने ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर जला दिया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरीज को एम्स भुवनेश्वर से बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ले जाने के लिए ग्रीन कॉरीडोर बनाया गया। एंबुलेंस एम्स भुवनेश्वर से मरीज को लेकर 10 से 12 मिनट में हवाई अड्डा पहुंच गई। इसके बाद उसे एयर एंबुलेंस के जरिए एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया। एम्स दिल्ली ने कहा कि किशोरी को बर्न और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया है। उसकी हालत गंभीर है। उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टर उसकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। वह 75 फीसदी झुलस गई है। किशोरी के साथ यह जघन्य वारदात बलंगा थाना क्षेत्र के बयाबर गांव में शनिवार सुबह नौ बजे हुई। घटना के वक्त वह अपनी सहेली के घर से लौट रही थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 21 JULY 2025

रिपोर्ट | अपनी तकनीकी क्षमता के केवल पचास फीसदी के साथ ही काम कर रहा है नागरिक उड्डयन महानिदेशालय

डीजीसीए में खाली पड़े हैं लगभग आधे तकनीकी पद

■ नेहा एलएम त्रिपाठी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में लगभग आधे तकनीकी पद खाली हैं। देश का विमानन सुरक्षा नियामक अपनी तकनीकी क्षमता के केवल 50% के साथ ही काम कर रहा है।

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार डीजीसीए में संचालन की देखरेख का जिम्मा केवल 553 अधिकारी कर रहे हैं।

यह स्थिति तब है जब डीजीसीए का कार्यक्षेत्र काफी व्यापक है। इसके कार्यों में एयरलाइन संचालन की निगरानी से लेकर हवाईअड्डा प्रमाणन तक शामिल है।

कई अहम पद भी खाली

डीजीसीए में खाली पड़े तकनीकी पदों में फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर, एयरवर्दिनेस अधिकारी और एरोनॉटिकल इंजीनियर जैसे महत्वपूर्ण पद भी हैं। इसके अलावा डीजीसीए में सभी 18 उप महानिदेशक के पद रिक्त हैं, इनमें से कुछ तो पांच वर्षों से भी अधिक समय से खाली पड़े हैं।

डीजीसीए के एक पूर्व अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, कुछ पदों पर पिछली पदोन्नति तीन साल पहले हुई थी।

48% पद रिक्त, नए स्वीकृत पद नहीं भरे गए

दस्तावेजों के अनुसार नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के 1063 तकनीकी पदों में से 48% रिक्त हैं। इससे विमानन बाजार में नियमों को लागू करने और सुरक्षा ऑडिट प्रभावी ढंग से करने की क्षमता पर असर पड़ रहा है। इनमें से 400 पद 2022 में स्वीकृत किए गए थे, लेकिन अभी भी भरे जाने बाकी हैं।

योग्य कर्मियों की जरूरत

पूर्व संयुक्त महानिदेशक जेएस रावत ने कहा कि सरकार को वेतन बाजार मानकों के अनुरूप कर उद्योग से योग्य कर्मियों को नियुक्त करने की जरूरत है। जिस दर से भारतीय विमानन विकास कर रहा है, उसे देखते हुए गति बनाए रखना जरूरी है।

तकनीकी स्टाफ क्या करते हैं

फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर
■ एयरलाइन सुरक्षा के प्रहरी, एयरलाइंस और उनके कर्मचारी सभी विमानन नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं, इसकी निगरानी का जिम्मा

तकनीकी स्टाफ क्या करते हैं?
■ एयरवर्दिनेस अधिकारी: विमान के सुरक्षा मानकों की निगरानी
■ एयर सेफ्टी ऑफिसर्स: घटनाओं की जांच का जिम्मा
■ एरोनॉटिकल इंजीनियर्स: विमान के तकनीकी निरीक्षण की जिम्मेदारी अमेरिका, ब्रिटेन में नियामक का कार्यबल बड़ा

Hindustan Times

विमान की खिड़की खुली रख सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भारतीय वायुसेना के संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई अड्डों पर हवाई जहाज के संचालन के दौरान यात्रियों के लिए जारी खिड़की के पर्दे नीचे करने की सलाह को वापस ले लिया है। हालांकि, इन हवाई अड्डों पर फोटोग्राफी पर प्रतिबंध अभी भी लागू है।

भारतीय वायुसेना के संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई अड्डे वे हवाई अड्डे होते हैं जिनका उपयोग सैन्य और नागरिक विमानन, दोनों के लिए किया जाता है। भारतीय वायुसेना के निर्देशों के अनुसार हवाई और जमीनी फोटोग्राफी पर प्रतिबंध और खिड़की के पर्दे नीचे करने संबंधी सलाह हवाई संचालकों को जारी की गई थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 21 JULY 2025

दिल्ली आ रहे विमान में खराबी, उड़ान रोकी

रांची, वरिष्ठ संवाददाता। रांची से दिल्ली जाने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी खराबी के बाद उसे हवाई अड्डे पर उड़ान भरने पर रोक दिया गया।

झारखंड के चार सांसदों सहित 180 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाला यह विमान रविवार शाम पौने पांच बजे दिल्ली से रांची पहुंचा था। इसे शाम छह बजे वापस दिल्ली के लिए उड़ान भरनी थी। बताया जा रहा है कि रांची में लैंड करने के बाद इसकी रूटीन जांच की गई। इस बीच इसमें तकनीकी खराबी का पता चला। करीब दो घंटे तक इसके ठीक नहीं होने पर उड़ान रद्द करते हुए विमान को ग्राउंडेड कर दिया गया।

विमान से दिल्ली जाने वालों में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा, सांसद विद्युतवरण महतो और सांसद कालीचरण सिंह शामिल थे। साहू ने बताया कि खराबी ठीक होने का दो घंटे तक इंतजार किया गया। बाद में एयरलाइंस कर्मियों ने इसके रद्द होने की जानकारी दी तो वे लोग कोलकाता होते हुए दिल्ली रवाना हो गए।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में संधू विशेषज्ञ के रूप में शामिल

मुंबई। अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में विमानन विशेषज्ञ के रूप में अनुभवी पायलट और एयर इंडिया के पूर्व परिचालन निदेशक कैप्टन आरएस संधू को शामिल किया गया है। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने उन्होंने जांच में शामिल किया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले महीने हुई इस विमान दुर्घटना में 260 लोग मारे गए थे। आरएस संधू एयर इंडिया में बोइंग 787-8 बेड़े के जांचकर्ता भी नामित किये गए थे। जब 2013 में विमान की डिलीवरी हुई थी। इसी श्रेणी का विमान जून में अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। एआईआईबी इस दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी का चुका है। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि एएआईबी ने हादसे की चल रही जांच में संधू से विशेषज्ञ के रूप में सेवा देने के लिए संपर्क किया था ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 21 JULY 2025

Reform cannot wait, aviation safety is at stake

Yeshwanth Shenoy

is the President, Kerala High Court Advocates Association, and has been fighting for aviation safety for over a decade

The Aircraft Accident Investigation Bureau's preliminary report on the Air India Boeing 787 air crash in Ahmedabad, on June 12, 2025, was released last week, on July 12. The report remains inconclusive, with critical uncertainties on whether pilot action was inadvertent or deliberate. I would argue that the lack of faith among pilots and those who track aviation like myself about the robustness of the investigation and its findings, – whether correct or not – emanate from a deep lack of trust in the entire aviation system in India that often penalises its personnel, excessively, rather than holding airlines and regulators to equal scrutiny.

I would like to use this opportunity to, once again, call for a complete reform in the aviation sector. A genuine 'culture of safety' must permeate every layer of the aviation system. This includes fair employment terms and, crucially, access to mental health care without punitive consequences resulting in the automatic grounding of and loss of income for air crew at a time when the current system, ironically, jeopardises their psychological well-being.

The complex web of aviation safety is highly technical, but years of study with aviation professionals have helped me understand its intricate technicalities. The aviation system broadly involves multiple elements: the aircraft itself (design, airworthiness, and maintenance) and the people who operate it (maintenance engineers, technicians, pilots and cabin crew). These are, broadly, the responsibility of the airline operator, while airport infrastructure, air traffic control systems and its personnel are the responsibility of the Airports Authority of India (AAI) and/or the aerodrome operator. The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has regulatory control over airlines, the AAI and the airport operators. The Ministry of Civil Aviation (MoCA) has supervisory control over the DGCA and the AAI. Aviation accidents never result from a single failure but stem from multiple failures that align together, as in the Swiss cheese model. Each safety layer has flaws (holes); when these holes align across layers, an accident occurs.

The fight for safety through courts

I have filed over 15 Public Interest Litigations (PIL) in the various High Courts and the Supreme Court of India after studying the links between aviation technicalities, regulations and data. I approached the judiciary because aviation authorities in charge of safety, became the violators. No one is held accountable for air crashes or the lives lost, in turn emboldening violations despite knowing that existing/known safety breaches can cause deaths.

Court interventions have saved lives, as seen in the case of the crash in 2018 at Ghatkopar, Mumbai, when a small plane fell into a building site. In 2016, the Bombay High Court had issued a stay that halted construction near Mumbai airport. Had it not been issued, a 13-storey building would have stood in its place at the site..

Mumbai's airspace is among the most hazardous globally – there are over 5,000 vertical obstructions within a four-kilometre radius and in violation of the Inner Horizontal Surface (IHS) criteria. Despite a pending PIL, obstacles in the no-obstacle approach and take-off funnel rose from 125 in 2010 to over 1,000 in 2025, highlighting regulatory opacity and potential misrepresentation by the DGCA, the AAI, airport operators, and the MoCA before the Bombay High Court. Had the High Court been informed about this accurately, the spread of these obstacles could have been stopped.

> The air crash in Ahmedabad is a moment for action — a genuine 'culture of safety' must flow to every layer of India's aviation system

Regulatory loopholes that pose a threat

Until 2008, airspace around airports was strictly regulated. The Aircraft Act and Statutory Order 988 of 1988 enabled the strict control of construction of buildings around airports. In 2008, a non-statutory committee was formed, effectively bypassing the legal safeguards that once ensured obstacle-free zones. It approved 25 buildings in prime locations in Mumbai using an aeronautical study conducted by the International Civil Aviation Organization (ICAO), which ought not to have been a part of a move to recommend construction which was illegal and of extra height. By the time ICAO distanced itself from the misuse of aeronautical studies, the AAI had begun conducting its own assessments which were less stringent.

The appellate committee granted permission for extra height recklessly. Around the year 2015, these obstacles, in addition to being physical barriers to safe flight movements, began interfering with radar and communication signals. The appellate committee also came out with guidelines and capped the maximum height at 90 metres in the Inner Horizontal Surface (IHS) and recorded that "any further deterioration in obstacle profile in and around airport is likely to aggravate the situation". Despite this, the appellate committee allowed obstacles to come up with impunity jeopardising safe flight operations. Ironically, the appellate committee that had permitted the safety violations was given statutory recognition through the 2015 Rules – despite these rules not allowing height relaxation.

The panel comprised officials entrusted with aviation safety and included a Joint Secretary in the Ministry of Civil Aviation, a Joint Director General in the DGCA, and a Member (Air Navigation Services) in the AAI. Thus, any complaint about obstacles is essentially judged by the very entities that sanctioned them.

Under pressure after a PIL on obstacles, the MoCA amended the 2015 Rules to limit the no objection certificate (NOC) validity to 12 years – an admission of the issue but an evasion of responsibility. How does the MoCA justify approving 100-floor buildings when it knows that 45 floors would become illegal in 12 years? This raises critical questions. What are the mechanisms that exist to demolish floors that become illegal after the expiry of the NOC?

What began in Mumbai has now spread across India. Even greenfield airport projects such as Navi Mumbai (Maharashtra) and Noida (Uttar Pradesh) have obstacles sprouting around them. Navi Mumbai Airport will start operations with a "displaced threshold" – which means aircraft will be unable to use the full runway because of the obstacles and increasing risks to air safety, thereby turning the airport into a monument of corruption and indifference by aviation authorities.

There is widespread systemic breakdown. First, aircraft design and airworthiness. The DGCA's limited internal technical capability forces it to be over reliant on foreign regulators such as the Federal Aviation Administration (U.S.) and the European Union Aviation Safety Agency (EASA), as seen during the engine failure issue (Pratt &Whitney) that IndiGo experienced in 2017-18.

Second, aircraft maintenance standards. Aircraft Maintenance Engineers (AMEs) work under severe stress without duty time limits. The DGCA has allowed airlines to delegate AME tasks to less-qualified, lower-paid "technicians" – a cost-cutting move that undermines safety. Duty-time limitations recommended for AMEs by the court of inquiry following the crash in Mangaluru (May 2010) remain unimplemented.

Third, the flight crew. Airlines violate Flight Time Duty Limitations for pilots, and the DGCA grants exemptions which allow pilots who are fatigued to operate. The DGCA's unique NOC requirement restricts pilot mobility across airlines, increasing stress and enabling airlines to coerce pilots into breaching regulations. Cabin crew, whose primary role is passenger safety, are often dismissed as mere hospitality workers, which is a dangerously reductive view.

Fourth, airline operations. Airlines prioritise the goal of profit, adopting policies that consistently undermine safety. Despite the DGCA suspending personnel for safety violations, airline officials often retain high positions, controlling operations. DGCA-appointed officers in airlines, who are expected to enforce compliance, often have no real authority, making accountability toothless.

Fifth, air traffic management. The AAI faces a severe shortage of Air Traffic Controller Officers (ATCO) – an issue that has been flagged even by parliamentary committees. The provision to give licences to ATCO has not yet been implemented. Duty-time limitations for ATCOs – recommended by the Mangalore Court of Inquiry – remain unimplemented.

Sixth, silencing whistle-blowers. Whistle-blowers are often demoted, transferred, or terminated – a trend that has discouraged the reporting of critical safety issues in the AAI and airlines.

When aerodromes operate in violation of safety standards, any other shortcomings in any of the other components become potentially fatal - as seen in Ghatkopar (2018), Kozhikode (2020), and now Ahmedabad (2025). Non-compliance in aviation stems from a lack of safety culture, not ignorance. Crashes are not mere "accidents" – they are the inevitable result of years of systemic neglect and policy violations. Without immediate systemic improvements, the next disaster will not wait for five years, but is just around the corner.

The role of the judiciary is important

The judiciary, which has always been the silver lining in India's constitutional set-up, has been inactive on aviation issues, relying on the state's technical expertise on the subject. It must address the deterioration in the aviation sector and hold authorities accountable. Additionally, the judiciary's conservative approach to valuing human life needs to change.

In India, human life is undervalued, for example, as seen in railway accidents and motor vehicle deaths – a few lakhs of rupees. When this is the worth of a human life, safety upgrades that cost crores of rupees become easier for stakeholders to ignore. Immediate and comprehensive reform is needed. The aviation system requires accountability, oversight and a safety-over-profit commitment.

Reform cannot wait. Lives are at stake.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 21 JULY 2025

LAWMAKERS SEEK ANSWERS FROM GOVT IN PARL ON AI-171 CRASH

Prawesh Lama
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Is the government considering the possibility of tampering or interference by Boeing in the case of the black box retrieved from the crash site of Air India flight 171 in Ahmedabad? What are the exact contents of the black box? How safe is air travel in India? Will the report on lapses be made public? Is it true that nearly 53% posts in DGCA and other civil aviation related bodies are vacant despite the rapid growth of the civil aviation sector in India?

At least 22 MPs have sought answers from the Union civil aviation minister Ram Mohan Naidu to questions related to the crash of AI-171 and the probe. The questions uploaded on the Lok Sabha website will be taken up for oral answers on July 24 in the upcoming Monsoon session of the Parliament. The MPs, who have sought answers related to the June 12 crash, belong to the opposition and the ruling BJP.

Imtiyaz, who lost four relatives in the crash, said the answers by the government are relevant and necessary because families are anxious and disturbed over media reports and social media chatter surrounding the incident. "The updates shared by our government have been vague and do not answer our questions...If this is true that so many MPs have sought specific answers related to the crash, then it is a good development..." he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 21 JULY 2025

{ AS A DOMAIN EXPERT } JUNE 12 ACCIDENT

AAIB ropes in veteran pilot in AI crash probe

Neha LM Tripathi
neha.tripathi@htive.com

NEW DELHI: The Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has expanded its panel by including veteran pilot and Air India's former director of operations Captain RS Sandhu as a domain expert in the ongoing probe into the Ahmedabad plane crash that killed 260 people last month, people familiar with the matter said on Sunday.

The development to rope in Capt. Sandhu, a former B787 examiner, comes after several experts highlighted the need for a technical expert on the panel investigating the crash.

"Capt. Sandhu, who is the founder of aviation consultancy firm Aviazione, was approached by the AAIB chief to join the panel," an official aware of the development said, requesting anonymity. "Capt. Sandhu is also the person who took delivery of the B787 that crashed on July 12."

Sandhu, who was with Air India for close to 39 years in various capacities, had also headed a team that worked on the integration of the Tata Group airlines.

The AAIB did not respond to HT's request for a comment.

"The AAIB has the right to include domain experts as and when required during the investigation," Aurobindo Handa, former AAIB director general, said.

Captain RS Sandhu

Officials, meanwhile, also indicated that more members could be added to the panel.

"There may be a few more domain experts, including from engineering, added to the panel in the coming days," a second official said, also declining to be named.

On June 12, Air India's Boeing 787-8 aircraft en route to London Gatwick from Ahmedabad crashed into a building soon after take-off, killing 260 people, including 19 people on the ground. Out of the 242 people onboard, one passenger survived.

On July 12, the (AAIB) released its preliminary report into the fatal crash. The probe report identified fuel being cut off to both engines shortly after takeoff as the cause of the disaster—with fuel control switches found in the "cutoff" position triggering a global debate over whether pilot action or mechanical failure caused the incident.

A five-member team, headed by 56-year-old Sanjay Kumar Singh, as the investigator-in-chief, is probing the Air India aircraft crash. The other members on the probe team are Jasbir Singh Larhga as chief investigator, and Vipin Venu Varakoth, Veeraragavan K, and Vaishnav Vijayakumar as investigators.

The preliminary report further stated: "Experienced Pilots, Engineers, Aviation Medicine Specialists, Aviation Psychologists, and Flight Recorder Specialists have been taken on board as Subject Matter Experts (SMEs) to assist the investigation in their areas of expertise."

Civil aviation ministry officials said the AAIB already has subject matter experts. "This is a part of the process, and no conclusions should be drawn from this," an official said.

Ever since the preliminary report was released, pilot unions have raised concerns about the absence of a pilot on the panel and have been demanding the inclusion of one. While the Federation of India Pilots (FIP) has written to the government, the Airline Pilots' Association of India (ALPA-I) has met the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) regarding the matter.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 21 JULY 2025

Crisis on ground, rumble in the air

India's civil aviation regulator is fighting a personnel shortfall, possible work overload

An undermanned civil aviation regulator is not acceptable in any situation — let alone in a scenario where air travel in its jurisdiction is booming. The fact that 48% of the technical posts at the directorate general of civil aviation (DGCA) are lying vacant (some for several years), as HT reported Sunday, should, therefore, be cause for concern. Given some of these posts relate to safety-critical functions — from monitoring airline safety compliance to overseeing aircraft safety standards and from conducting incident investigation to carrying out technical oversight — inadequate staffing could erode flier confidence in a sector where such guarantees are paramount.

Pending recruitment to the extent needed, regulatory efficiency comes under strain as the existing staff are spread too thin — ripe for fostering lapses in assessment, reporting, and even licensing of airline personnel. This, in turn, could affect airlines as clearances and approvals get delayed. That the shortage of personnel extends to the second rung of leadership is particularly worrisome. All 18 of the deputy director general (DDG) posts being vacant signals a crisis not just for present operations but also future leadership — top-level vacancies can't be filled as they arise, given the stipulations on experience at the middle level for elevation to these posts. A present backlog thus casts a long shadow on flight safety and regulatory efficiency for years to come.

The wide array of regulatory functions vested with DGCA personnel adds another layer of complexity to the problem of personnel shortage. Against this backdrop, a missing middle means critical links between ground-level personnel and the policy/decision-making officers at the top are absent, affecting feedback and improvement in the way regulatory functions align with direction and vision. Add staff shortage to the allegations of graft and competence deficits that several experts have flagged over the years, and the problems in India's civil aviation regulator call for urgent redressal. India needs to take a cue from comparable air traffic jurisdictions, in terms of absolute numbers as well as per flight and passenger. It is also important to ensure DGCA is adequately funded.

Beyond all this, there is also a need to explore if too many responsibilities have been vested in a single body with very little autonomy, and if new regulators need to be created so that some of these responsibilities can be hived off to them. Against the backdrop of the Air India crash last month, India can't afford a constrained civil aviation regulator.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 21 JULY 2025

AI flight crash probe: AAIB brings in veteran pilot as domain expert

PRESS TRUST OF INDIA
MUMBAI, JULY 20

AIRCRAFT ACCIDENT Investigation Bureau (AAIB) has roped in veteran pilot and Air India's former director of operations Captain R S Sandhu as a domain expert in the ongoing probe into the Ahmedabad plane crash that killed 260 persons last month, sources said on Sunday.

Sandhu, who was also a designated examiner for the Boeing 787-8 fleet at Air India, had taken delivery of the now-crashed 787-8 plane — VT-ANB — in 2013.

On June 12, Air India's Boeing 787-8 aircraft en route to London Gatwick from Ahmedabad crashed into a building soon after takeoff, killing 260 people, including 19 people on the ground. Out of the 242 people onboard, one passenger survived.

On July 12, the AAIB released its preliminary report into the fatal crash. "AAIB has onboarded seasoned aviator RS Sandhu in the ongoing investigation of the Air India Boeing 787-8 plane crash in Ahmedabad last month," one of the sources said.

AAIB had apparently approached Sandhu to be a domain expert in the ongoing probe, and he agreed to the proposal, the sources said.

Sandhu, who was with Air India for close to 39 years in various capacities, is the founder of aviation consultancy firm Aviazione. He had also headed a team that worked on the integration of the Tata Group airlines.

Various pilot unions had raised concerns over the absence of subject matter experts in the probe. Airline Pilots' Association of India (ALPA India) has been urging AAIB to include its representatives in the Air India aircraft crash probe.

Details about other domain experts, who are part of the AAIB investigation, could not be immediately ascertained.

A five-member team, headed by 56-year-old Sanjay Kumar Singh, is probing the fatal crash of the Air India aircraft.

Experienced pilots, engineers, aviation medicine specialists, aviation psychologists and flight recorder specialists have been taken on board as subject matter experts to assist in the investigation in the area of their domain expertise, according to AAIB.

'With modern airline retailing, carriers can sell a lot more than a flight ticket'

SUKALP SHARMA
NEW DELHI, JULY 20

File

"... Airlines would like to tell customers that if you think of travel, think of us, not just for the seat, but anything and everything related to travel. The technology and the standards are now available for making that happen ..."

— VK MATHEWS
FOUNDER AND EXECUTIVE CHAIRMAN, IBS SOFTWARE

A BIG shift is on the horizon in how airlines look at their retailing strategy with 'modern airline retailing', which put the consumer at the front and centre of the retail process, leveraging data and technology to provide a seamless and personalised shopping experience to flyers for a lot more than just a seat on the plane. According to VK Mathews, founder and executive chairman of the IBS Software, modern airline retailing is "the single biggest change that will take place" in how airlines will sell to flyers in the not-so-distant future.

For IBS Software, a global software as a service (SaaS) provider in airline passenger services, air cargo management, loyalty management, to flight and crew operations, modern airline retail is a critical growth segment with immense potential. The company, while having a number of global airlines as users of its various products, its footprint in India has been rather limited. But with India's aviation sector booming with double-digit growth in passenger numbers and now with financially stable large airline groups, IBS Software sees the country as a market with significant potential and modern airline retailing appears to be a key focus area in its India ambitions.

From a consumer perspective, modern airline retailing involves carriers turning into a one-stop-shop solution for the passenger — for booking flight tickets, ancillary services, and other services like lounge access, hotel reservations, cab bookings, car rentals, and even travel experiences, among others — based on individual needs and preferences. Think of it like a modern e-commerce platform, like an Amazon, but for travel with various products and services related to the trip available and integrated seamlessly on one user-friendly platform driven by latest technology and tools — artificial intelligence, New Distribution Capability (NDC), real-time data analytics, blockchain, internet of things (IoT), and more.

"When it comes to modern airline retailing, there's a huge shift taking place ... Airlines would like to tell customers that if you think of travel, think of us, not just for the seat, but anything and everything related to travel. The technology and the standards are now available for making that happen. They can offer anything and everything you could probably think of, even things that may not be directly related to travel. Systems are now available to procure and aggregate, package, price, and deliver it to the customer and see through the delivery, making sure all service levels are met," Mathews told *The Indian Express*.

While online travel booking portals do allow travelers to book flights and other services on their platforms, these services are usually individual bookings made with different service providers with little to no operational synchronisation and coordination. And that is where modern airline retailing is touted as a superior product and retail strategy as it promises end-to-end solutions to passengers that work seamlessly and adapt on a real-time basis. Airlines in the coming years could turn into fully integrated travel platforms that not just facilitate trip bookings but also actively manage them.

"You can book a car or book a hotel along with a flight ticket through the OTA (online travel agency) website, but what happens if your flight gets delayed? You then have to individually manage those other bookings. What will be possible with this (modern airline retailing) is that all the associated services you purchased get automatically amended and service providers will be notified about the changes real-time. It makes the airline the merchant of record for your other purchases as well," said IBS Software's CEO Somit Goyal.

"One of the biggest trends that we are seeing among airlines is disintermediation. Airlines would like to go directly to the end consumer, removing the non-value adding intermediaries ... They (airlines) would like to know the customer a lot better. Instead of being just a carrier, you have to have the conversation and a dialogue directly with the consumer. And if airlines want to go directly to consumers, they have to offer what the OTA is offering, and much more," Mathews said.

But why would airlines want to invest in offering so much more than just their core services to passengers? It is a multi-pronged rationale — increased revenue opportunities through partnerships and sale of other services and products, deeper engagement with passengers, opportunity to have dynamic pricing at a deeper level, and better understanding the customer in order to offer tailor-made and personalised packages of services and products.

According to Mathew, an airline that can execute modern airline retailing well stands to gain on various fronts, including generating more ancillary revenue and raising its average revenue per customer. "One of the challenges for Indian aviation, which is probably the most unknown as well, is that globally, an average ticket price or segment fee is about $163 as of this year, while it is between $90-100 in India. And the cost in India and overseas is almost the same," he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 21 JULY 2025

एएआइबी ने अनुभवी पायलट संधू को विमान हादसे की जांच में शामिल किया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 20 जुलाई।

वायुयान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) ने अनुभवी पायलट और एअर इंडिया के पूर्व परिचालन निदेशक कैप्टन आरएस संधू को अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में विमानन विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले महीने हुई इस विमान दुर्घटना में 260 लोग मारे गए थे।

संधू, जो एअर इंडिया में बोइंग 787-8 बेड़े के लिए जांचकर्ता भी नामित किये गए थे, ने अब दुर्घटनाग्रस्त हो चुके 787-8 विमान वीटी एएनबी की 2013 में डिलीवरी ली थी। बारह जून को, अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वायुयान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने पूर्व में इस दुर्घटना की प्रारंभिक रपट जारी की थी। एक सूत्र ने बताया कि ब्यूरो ने पिछले महीने अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया बोइंग 787-8 विमान हादसे की चल रही जांच में अनुभवी विमानन विशेषज्ञ आरएस संधू को शामिल किया है।

सूत्रों के अनुसार, एएआइबी ने हादसे की चल रही जांच में संधू से एक विशेषज्ञ के रूप में सेवा देने के लिए संपर्क किया था और उन्होंने इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी। एअर इंडिया में लगभग 39 वर्षों तक विभिन्न पदों पर रहे संधू, विमानन परामर्श फर्म 'एविजयोन' के संस्थापक हैं। उन्होंने टाटा समूह की एयरलाइनों के एकीकरण पर काम करने वाली एक टीम का भी नेतृत्व किया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 21 JULY 2025

Govt to answer lawmakers' questions on Air India crash

Questions from MPs across parties have been uploaded on the Lok Sabha website

Prawesh Lama
prawesh.lama@hindustantimes.com
NEW DELHI

Is the government considering the possibility of tampering or interference by Boeing in the case of the black box retrieved from the Air India crash site in Ahmedabad? What are the exact contents of the black box? How safe is air travel in India? How will the government maintain transparency in the probe? Will the report on lapses be made public? Is it true that nearly 53% posts in DGCA and other civil aviation related bodies are vacant despite the rapid growth of the civil aviation sector in India?

At least 22 Members of Parliament have sought answers from the civil aviation minister to these questions related to the Air India plane crash and the probe thereafter. The questions uploaded on the Lok Sabha website will be taken up for oral answers on Thursday in the upcoming monsoon session of the Parliament. The MPs, who have sought answers related to the crash, are from all parties including the Bharatiya Janata Party(BJP).

While the Aircraft Accident Investigation Bureau(AAIB)—a federal agency incharge of the probe—has said that the probe is ongoing and that only a preliminary report has been released based on initial findings, the answers in the Parliament on Thursday by the civil aviation minister could shed light on many such unanswered questions and air travel safety in India.

Hindustan Times

For example, MPs Sachithanantham R and Ganapathy Rajkumar P have asked the minister to share details on steps to prevent such accidents in the future, K Sudhakar has asked about the rest hours for pilots and details of all inspection reports by DGCA in the last 5 years. Another MP Jai Prakash has sought details on trauma counselling for crew members and clarity on reports of Air India crew reporting mass sick leaves. Two MPs, K Sudhakaran and Amra Ram, have asked if the findings of the high level committee to probe the lapses, if any, will be made public. Rachna Banerjee and Selvaganapathi T.M. have asked for details of the black box recording.

On 12 June, an Air India Boeing 787, crashed seconds after take-off from Ahmedabad airport, killing 260 people. The AAIB's preliminary report identified fuel being cut off to both engines shortly after takeoff as the cause of the disaster—with fuel control switches found in the "cutoff" position triggering a global debate over whether pilot action or mechanical failure caused the crash.

Imtiyaz who lost his brother Javed Ali, Javed's wife Mariyam and their two children Zayn and Aman, said the answers by the government are necessary because families are anxious and disturbed by the selected leaks in the western media and the commentary on social media.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 21 JULY 2025

AIR INDIA PLANE CRASH

Aviation Minister slams Western media reports

Union Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu Kinjarapu FILE PHOTO

RAJESH KUMAR
■ New Delhi

Union Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu Kinjarapu on Sunday slammed the Western media's narrative that sought to pin the blame on the senior pilots on the Air India plane crash in Ahmedabad and said the Government will wait for the final report on the Air India crash before making any conclusions. The minister made the remarks while speaking to reporters in Uttar Pradesh's Ghaziabad after flagging off IndiGo's flight services from the Hindon Airport to nine cities.

He urged the Western media to avoid speculation on the cause of the Air India crash and praised the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) for successfully decoding the black box data in India.

"AAIB has made an appeal to all, especially Western media houses, which may have a vested interest in the kind of articles they are trying to publish. I believe in AAIB. I believe in the work that they are doing. They have done a wonderful job in decoding the whole black box and getting the data out in India itself," Kinjarapu said, commending the agency for its preliminary findings.

Continued on » P4

VETERAN PILOT JOINS AI CRASH PROBE

New Delhi: Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has roped in veteran pilot and Air India's former director of operations Captain RS Sandhu as a domain expert in the ongoing probe into the Ahmedabad plane crash that killed 260 persons last month.Sandhu, who was also a designated examiner for the Boeing 787-8 fleet at Air India, had taken delivery of the now-crashed 787-8 plane -- VT-ANB -- in 2013. Sandhu, who was with Air India for close to 39 years in various capacities, is the founder of aviation consultancy firm Aviazione. He had also headed a team that worked on the integration of the Tata Group airlines. Various pilot unions had raised concerns over the absence of subject matter experts in the probe. Airline Pilots' Association of India (ALPA India) has been urging AAIB to include its representatives in the Air India aircraft crash probe.

Aviation Minister slams Western media...

Continued from » P1

The Western media has been particularly critical of the pilots and has often blamed them for the deadly crash in Ahmedabad on June 12. In a report, The Wall Street Journal quoted a US official who claimed that it was the "captain who turned off switches that controlled fuel flowing to the plane's two engines."

Naidu further warned against peddling unfounded theories before the final report is published. "Making any comments before the final report has come is not good exercise on behalf of anyone. We are cautious...Regarding the incident and the investigation we have to wait for the final report to come out," he said. He said that coming to any conclusion before the final report is premature and urged caution. "Stick to the report. Whatever the report says is final. Preliminary report is out. They need time. Lot of data has to be corroborated. Need to give them time," the minister remarked.

Naidu also highlighted India's progress over the years when it came to investigating airplane crashes. "Earlier black box was always sent abroad to get the data out. It was the first time data has been decoded in India," he said.

Seconds before Air India flight 171 crashed while ascending from Ahmedabad, the fuel control switches of both its engines were cut off, according to the preliminary investigation report, suggesting a catastrophic pilot error in the cockpit of the Boeing 787 Dreamliner.

A 15-page preliminary investigation report into the disaster revealed that fuel-control switches of the two engines moved from the "run" to the "cutoff" position, within the space of one second, leading to immediate loss of altitude. In the cockpit voice recording, one pilot is heard asking the other why he cut off the fuel. The other denied having done so.

The report by the AIIB neither concluded any reason for the switches moving nor apportioned explicit blame for the crash. t also did not identify the pilots in the voice recording. But it also said no fault was found in the aircraft.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 21 JULY 2025

Fiber cable collision caused Uttarkashi helicopter crash: AAIB

RAJESH KUMAR
New Delhi

A helicopter crash that claimed six lives near Gangnani in Uttarkashi district on May 8 was caused by a collision with an overhead fiber cable during an attempted emergency landing, before tumbling down the hillside and coming to rest against a tree.

According to a preliminary investigation report by the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB), initially, the pilot attempted to land on the Uttarkashi-Gangotri Road (NH 34) near Gangnani in Uttarkashi.

"During the landing attempt, the helicopter's main rotor blade struck an overhead Fiber cable running parallel to the road. It also damaged some roadside metallic barricades. However, the helicopter was unable to land and tumbled down the hillside. Eventually, it came to rest against a tree, approximately 250 feet deep into a gorge. The pilot and five passengers were fatally injured in the accident, while one passenger sustained serious injuries. The helicopter was destroyed in the crash. However, there was no fire", it said. The helicopter, powered by Rolls Royce engine, was manufactured in 2008.

Rescue and relief work after a helicopter carrying devotees to Gangotri Dham crashed at Gangani in Uttarkashi district on May 8 File Photo

In its five-page report, AAIB said that the investigation team is working on the further course of action to find the root cause of the accident.

The 17-year-old Bell 407 helicopter operated by Aerotrans Services Pvt Ltd, with six passengers onboard, crashed 24 minutes after being airborne on May 8. The pilot and five passengers died in the accident, while one passenger sustained serious injuries.

AAIB said that the accident happened at Gangnani in Uttarkashi at 8.35 am. The investigation team visited the accident site and carried out onsite investigation. The team also collected perishable and crucial evidence.

AAIB said the helicopter flew for 20 minutes before descending from its assigned altitude. As per the aircraft technical logbook, the last defect reported by the pilot was "Surface skin peeled at the tail rotor tip" on 3rd May 2025.

The defect was rectified by a Company AME and the defective tail rotor was replaced on 6th May 2025. After the rectification, the Certificate to Release to service was issued on 07th May 2025. Till the accident flight, the helicopter had accumulated 5210:07 hrs (TSN) and the engine had accumulated 4445:51 Hrs (TSN).

During the wreckage examination, the team identified and collected some helicopter's and engine's components (mechanical and electrical) for detailed examination and analysis. The identified helicopter and engine components were brought to the AAIB Headquarters by the investigation team. The team conducted initial interviews and discussions with representatives of various stakeholders such as first responders (Local Administration), eyewitnesses, the operator, the maintenance organisation, ATC and UCADA. It said maintenance and operational records pertaining to VT-OXF were obtained from the operator.

The US National Transportation Safety Board and Canada's Transportation Safety Board have appointed accredited representatives and technical advisors for the investigation.

"The investigation team is coordinating with them for further course of action required to find out the root cause(s)," the report said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 21 JULY 2025

डेल्टा एयरलाइंस के विमान के इंजन से उठी आग की लपटें

लॉस एंजेलिस, (एजेंसी): लॉस एंजेलिस इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अटलांटा जा रही डेल्टा एयर लाइन्स की टेकऑफ के कुछ देर बाद इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फ्लाइट को ऑपरेट कर रहा 24 साल पुराना बोइंग 767-400 जैसे ही एयरपोर्ट से रवाना हुआ, उसके बाएं इंजन में आग की लपटें देखी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, पायलट्स ने उड़ान के दौरान इंजन में आग के संकेत देखे। जमीन से ली गई वीडियो फुटेज में विमान के बाएं इंजन से आग की लपटें निकलती नजर आईं, जिससे लोग हैरान हो गए। स्थिति को गंभीर समझते हुए पायलट्स ने तुरंत इमरजेंसी डिक्लेयर की और एटीसी से कोऑर्डिनेट कर विमान को वापस लाने का निर्णय लिया विमान पहले प्रशांत महासागर की दिशा में गया, फिर डाउनी और पेरामाउंट इलाकों के ऊपर से घूमते हुए वापसी की। इस दौरान विमान की ऊचाई और स्पीड स्थिर बनी रही और सभी सेफ्टी चेकलिस्ट्स को फॉलो किया गया। लैंडिंग के वक्त इमरजेंसी क्रू ज पहले से तैयार थे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 21 JULY 2025

विमान में अब नहीं करनी होगी विंडो शेड बंद, फोटोग्राफी अब भी बंद

डीजीसीए ने खिड़की बंद करने के नियम में किया संशोधन, ऑपरेशन सिंदूर के बाद लागू हुए थे दिशा-निर्देश

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारतीय वायुसेना और व्यवसायिक उड़ानों के संयुक्त उपयोग वाले हवाई अड्डों (ज्वाइंट यूजर एयरपोर्ट) पर अब उड़ान भरते या उतरते समय यात्रियों को विमान की खिड़कियों पर लगे पर्दे (विंडो शेड) नीचे करने की जरूरत नहीं होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने संशोधित आदेश जारी कर इस पाबंदी को हटा दिया है। हालांकि इन हवाई अड्डों पर हवाई और जमीनी फोटोग्राफी पर प्रतिबंध अब भी लागू रहेगा। डीजीसीए ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि यह फैसला भारतीय वायुसेना से प्राप्त नए दिशा-निर्देशों के आधार पर लिया गया है। डीजीसीए ने कहा कि संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई अड्डों पर परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एयर ऑपरेटर्स को फोटोग्राफी और विंडो शेड से जुड़ी हिदायतें दी गई थीं। अब संशोधित निर्देशों के बाद विंडो शेड नीचे करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है, जबकि फोटोग्राफी पर रोक यथावत है।

संशोधित निर्देशों से यात्रियों को मिलेगी राहत

उल्लेखनीय है कि ये दिशा-निर्देश ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लागू किए गए थे, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर था। उस समय एहतियातन उत्तर, मध्य और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। हालात सामान्य होने पर जब ये एयरस्पेस दोबारा खोला गया, तो उन हवाई अड्डों पर सुरक्षा नियम बनाए रखे गए जहां वायुसेना और व्यवसायिक विमान दोनों का संचालन होता है। अब संशोधित निर्देशों के बाद यात्रियों को थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन सुरक्षा कारणों से संवेदनशील क्षेत्रों में फोटोग्राफी पर रोक जारी रहेगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 21 JULY 2025

दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान रद्द, रांची हवाईअड्डे पर अफरा-तफरी

रांची (भाषा)। दिल्ली जाने वाले एअर इंडिया की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रविवार को रद्द कर दिया गया जिसके बाद रांची हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यात्रियों को उड़ान के समय के पुनर्निर्धारण को लेकर एयरलाइन के कर्मचारियों से तीखी बहस करते हुए देखा गया।

हवाईअड्डे के निदेशक आर आर मौर्य ने बताया, रांची से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दिया गया। विमान के उड़ान भरने से पहले इस तकनीकी गड़बड़ी का पता चला। उड़ान संख्या एआईएक्स 1200 को शाम छह बजे उड़ान के लिये के लिए निर्धारित किया गया था। मौर्य ने कहा कि कुछ यात्रियों को अन्य उड़ानों में समायोजित किया गया, जबकि कई अन्य लोगों ने अपने टिकट रद्द कर दिए। कुछ यात्रियों को सोमवार को यात्रा करने के लिये कहा गया है।

विमान के यात्री फैज़ अनवर (39) ने बताया, हम शाम 5.20 बजे के आसपास उड़ान में सवार हुए और शाम 7 बजे तक इंतजार किया, अचानक हमें बिना किसी कारण के विमान से उतरने के लिये कहा गया। मुझे कल दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेना है, लेकिन वे मेरी उड़ान को पुनःनिर्धारित करने के लिए तैयार नहीं है। फैज ने दावा किया, कई ऐसे यात्री है, जिन्हें दिल्ली से ब्रिटेन, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़नी थी। लेकिन, उनके आग्रह को सुनने के लिये या उस पर ध्यान देने के लिये वहां कोई नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया, पूरी तरह कुप्रबंधन और अफरा तफरी का माहौल था। रांची हवाईअड्डे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस बीच स्थानीय बिरसा मुंडा हवाई अड्डे की चारदीवारी की 30 मीटर दीवार एक महीने तक हुयी बारिश के कारण रविवार को गिर गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 21 JULY 2025

Naidu slams Western media for speculative coverage of AI-171 probe

STATESMAN NEWS SERVICE
NEW DELHI, 20 JULY

Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu Kinjarapu on Sunday hit out at the Western media for their speculative coverage of the probe into the 12 June Air India plane crash in Ahmedabad that claimed 260 lives, saying that making any comments until the final report comes is not a good exercise for anyone.

The minister said that the Union government would wait for the final report on the investigation into the tragic Air India Boeing crash before making any comments.

He reiterated that the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) had made an appeal to all, especially Western media houses who may have vested interest, referring to some misleading articles being published in relation to the unfortunate AI171 plane crash. "I believe in AAIB. They have done a wonderful job in decoding the whole black box and getting the data out in India itself," the minister said.

"It was a huge success for us because in previous incidents, whenever the black box was seen to be damaged, it was always sent abroad to get the data out. But this is the first time that AAIB has successfully decoded everything. The preliminary report has also been prepared," Mr Naidu said.

The minister stated that making any comments until the final report comes is not a good exercise for anyone. The government is being very cautious and studying the report thoroughly, and whatever necessary steps are required in terms of safety would be implemented, he added.

"Regarding the incident and investigation, we have to wait for the final report before we say anything," the minister said.

"Making any comments until the final report comes out is not a good exercise... There is no point in jumping to conclusions at this point," the minister told reporters after launching IndiGo's flight operations from Hindon Airport.

"AAIB has made an appeal to all, especially Western media houses, which may have a vested interest in the kind of articles they are trying to publish," he said.

Earlier this week, the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) of India issued a strong appeal to the public and media, raising concerns about "selective and unverified reporting" by certain international outlets in the aftermath of the ill-fated Air India 171 crash that took the lives of 260 people.

The caution came amid heightened global scrutiny following reports in international media. A *Wall Street Journal* report, cited by *Reuters*, suggests that cockpit voice recordings indicate the captain may have turned off the fuel control switches shortly after takeoff, which prompted confusion and panic in the cockpit.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH KOLKATA 20 JULY 2025

Flight snag

HYDERABAD: An Air India Express flight from Hyderabad to Phuket on Saturday returned to its origin shortly after it took off because of technical snag, Rajiv Gandhi International Airport sources said. The aircraft, Boeing 737 Max 8, which was carrying 98 passengers, landed safely back at 6.57am, sources said. "One of our flights returned to Hyderabad shortly after take-off due to a technical issue. The crew elected to return out of an abundance of caution," an Air India Express spokesperson said in a statement. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 21 JULY 2025

Airline staffer held for rape of airhostess

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: Police have arrested an airline employee after a 23-year-old airhostess from Mira-Bhayander alleged that he had raped her at his residence in the wee hours of June 30.

On June 29, they went out for dinner and later to his flat where the alleged rape happened, the FIR stated.

The 25-year-old accused was arrested near Sahar airport on Saturday. Police said they are confirming whether he was at the airport for work or was trying to flee.

In her complaint, the woman said that they both worked as crew members with the airline. On June 29, the accused asked her to accompany him home after dinner, to which she agreed without doubting his intentions. In her complaint, she mentioned that there was no one in the flat and after a few minutes of conversation, he raped her. She, however, approached the police on July 18. While police registered the FIR, they are also investigating the reason for the delay in the woman lodging the complaint.

TOI, in a few of its Sunday editions, has erroneously reported that the rape happened in the aircraft.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 21 JULY 2025

AI 171 crash: Aviation minister rebuts foreign media claims

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Union aviation minister Ram Mohan Naidu Sunday urged western media to avoid speculation and appreciated AAIB for decoding black box data in India.

"AAIB has made an appeal to all, especially western media houses, which may have a vested interest in the kind of articles they are trying to publish. I believe in AAIB. I believe in the work that they are doing. They have done a wonderful job in decoding the whole black box and getting the data out in India itself," he said. He reiterated govt will await the final report before drawing any conclusions.

Govt has been firefighting over the Aircraft Accident Investigation Bureau's (AAIB) slammed-by-most preliminary probe into the deadly June 12 Air India AI 171 crash. While the report did not reveal cockpit voice recorder (CVR) transcript of the critical seconds, the western media started giving out those alleged details regularly a full 44 hours before the AAIB report was released on July 12 — which are yet to be denied by AAIB. The western reports have blamed AI 171 captain for the crash. The solitary selective indirect CVR quote in AAIB report also has one pilot asking the other why he switched off the fuel supply to engines.

Naidu termed this decoding a major achievement as earlier black boxes had to be sent abroad to retrieve data. "But this is the first time that successfully AAIB has decoded everything. The preliminary report has also been seen," he said and urged against coming to conclusions before the final report is out.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 20 JULY 2025

'Charter flights from Mum to shift to NMIA next year'

Ahmedabad: General aviation (GA) flights will be shifted from Mumbai to Navi Mumbai next year. Once that happens, charters and business jets will continue to fly into CSMIA but will not be allowed to park as they will have to drop and fly off or at the most remit park for an hour or two.

"CSMIA has about 27 parking stands for GA planes. NMIA is going to have 100 stands, along with 18 hangars for them. It will be India's biggest hub for general aviation flights," Adani Group director (airports) Jeet Adani told TOI on Friday. NMIA will initially house a temporary VVIP area. In 2029 when T2 gets ready there, the greenfield airport will have a dedicated VVIP terminal. "Our focus is also on cargo at NMIA, which will initially handle 8 lakh tons of cargo and will eventually go to 20-25 lakh tons in the coming years. We are in touch with DHL and Fedex to set up their Asia hubs here," he said.

Even as the focus is on the upcoming NMIA and the new T1 at CSMIA, Adani said the two airports with a collective capacity of 15 crore passengers annually (CPA) will get exhausted by 2042-2045. "There is an immediate need for a third airport. We are very happy the govt is looking at Wadhwan as the site for the third airport for MMR," he said.

—**Saurabh Sinha**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 20 JULY 2025

Phuket-bound AI flight returns to Hyd after takeoff

Hyderabad: An Air India Express flight bound for Phuket, Thailand, returned to the Hyderabad airport less than half an hour after take-off due to a technical snag. The aircraft was carrying more than 100 people, including passengers and the crew, reports **Sunny Baski**.

The Boeing aircraft, operating as IX 110, had already experienced a 20-minute delay at the airport. Originally scheduled for a 6.20am departure, the flight took off at 6.40am but returned by 6.57am. The aircraft had reached an altitude between 5,000 and 10,000 feet when crew identified the snag. GMR authorities told **TOI** that Air India arranged for an alternative flight for passengers which reached Phuket at 11.45am.

Exactly a month ago, a Tirupati-bound flight from Hyderabad had faced a similar situation.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 20 JULY 2025

Flyer 'steals' AI cabin crew's baggage

Hyderabad: The RGIA police registered a case after an Air India cabin crew member alleged that a passenger stole her baggage during Delhi-Hyderabad flight on Thursday evening.

According to Kanchana JT (28), a resident of Uttam Nagar in Delhi, upon noticing that her bag was missing, she immediately dialled her handset from a colleague's phone.

A man, who identified himself as 'CPT Raja,' answered, admitted to picking up the bag by mistake, and promised to return it. "After an hour, he stopped taking calls and switched the phone off," the complainant alleged.

The suspect is believed to be from Secunderabad. A case was registered on Friday. Police are analysing CCTV footage from the terminal and have sought passenger manifests from Air India. "We expect to trace the accused shortly," an RGI Airport PS official said. TNN